उज्जैन
गुरुवार
24
सितम्बर, 2026
वर्ष-12
अंक-321
मूल्य- 2 रु.
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 यूपीआई पर सरचार्ज बर्दाश्त नहीं, सरचार्ज को लेकर तय करेंगे आगे की रणनीति

7 एशियन गेम्स : रोशिबिना ने वुशु में सिल्वर दिलाया

ब्लैक लेस गाउन में रश्मिका मंदाना का ग्लैमरस अंदाज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

ब्लैक ड्रेस फैशन की दुनिया में शायद उन चुनिंदा स्टाइल्स में शामिल है, जिनका आकर्षण समय के साथ कम नहीं होता। ग्लैमर, सादगी और एलिगेंस को एक साथ साधने वाला यह रंग हर दौर में अपनी जगह बनाए रखता है। अब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने इसी क्लासिक अंदाज को एक नए और बेहद आधुनिक रूप में पेश किया है। मिलान में अपने वोग वर्ल्ड डेब्यू के दौरान रश्मिका अनामिका खन्ना के डिजाइन किए हुए ऑल-ब्लैक स्कल्प्चरल गाउन में नजर आईं। बॉडी-स्किमिंग फिट, लेस की बारीक डिटेलिंग, स्कल्प्चरल वेस्ट और सिल्वर ज्वेलरी ने उनके पूरे लुक को ऐसा अंदाज दिया, जिसमें ग्लैमर और गरिमा दोनों साथ दिखाई दिए। खास बात यह रही कि इस लुक की प्रेरणा केवल रेड कार्पेट या बड़े फैशन इवेंट तक सीमित नहीं है। सही सिल्हूट, टेक्सचर और एक्सेसरीज के चुनाव से इसी तरह का प्रभाव रोजमर्रा की पार्टी, डिनर या रिसेप्शन लुक में भी तैयार किया जा सकता है। रश्मिका का गाउन अनामिका खन्ना के मूनलिट पैलेस कलेक्शन से जुड़ा है, जिसे हैदराबाद में इंडिया कॉउचर वीक के दौरान प्रदर्शित किया गया था। गाउन की सबसे खास बात इसका ब्लैक लेस वर्क है। बॉडी-स्किमिंग सिल्हूट के साथ लेस, एप्लीक और शीयर डिटेलिंग ने आउटफिट में गहराई और टेक्सचर जोड़ा।

देश

- **सुको ने** उम्मीद जताई कि लोकसभा अध्यक्ष 20 बागी टीएमसी सांसदों की अयोग्यता पर जल्दी फैसला लेंगे
- **दिल्ली में** नाबालिग से रेप, 12 दिन में चौथा मामला, सोशल मीडिया पर दोस्ती कर होटल में बुलाया, आरोपी फरार, पास्को में केस
- **खाने का तेल** सस्ता होगा, सरकार ने कस्टम ड्यूटी घटाई, सोया और पाम ऑयल पर शुल्क 10% से 5% हुआ सूरजमुखी तेल पर ड्यूटी खत्म
- **स्कूलों के** 50 मीटर दायरे में जंक-फूड नियम सख्त होंगे, फसई ने ड्राफ्ट जारी किया, खाने में नमक-शक्कर और फैट की मात्रा देखी जाएगी
- **पति ने** पत्नी, दो पंडितों की गोली मारकर हत्या की, पंडितों के आधार कार्ड न दिखाने पर गुस्साया, आजमगढ़ में खुद को कमरे में बंद किया
- **चुनाव आयुक्तों** की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट जज एकमत नहीं, एक ने कहा- 5 जजों की संविधान पीठ करे सुनवाई, दूसरे ने विरोध किया

विदेश

- **जिनपिंग** 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे, ट्रम्प रिसीव करने गए, आज रात व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर, ट्रेड, एआई और ताइवान पर बातचीत होगी
- **अमेरिकी** एफ-35 फाइटर जेट के पार्ट्स चीन के हाथ लगे, ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका आ रहे थे, रास्ते में हांगकांग पहुंचे, पेंटागन ने जांच शुरू की
- **ईरानी** राष्ट्रपति ने दिखाई मृत बच्चों की तस्वीर, यूएन में बोले- 200 साल में कोई हमला नहीं किया, खुद आतंक के शिकार
- **अमेरिकी-युद्धपोत** लिंकन के 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की, एक समुद्र में कूदा, ईरान के खिलाफ 300 से ज्यादा दिन तैनात था

व्यापार

- **अब मुकेश अंबानी नहीं** गौतम अडाणी देश में सबसे अमीर, हुरुन लिस्ट में संपत्ति 13% बढ़कर 9.23 लाख करोड़ हुई, रोशनी नादर सबसे अमीर महिला
- **अमेजन-फ्लिपकार्ट** समेत 5 प्लेटफॉर्म्स पर फसाई की कार्रवाई, जहरीला धतूरा ऑनलाइन बेच रही थीं कंपनिया

कार्टून..

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा, 35 यात्रियों को लेकर महोबा जा रही थी

नोएडा में एसी बस में आग लगने से 9 लोग जिंदा जले

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नोएडा

यूपी के नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर प्राइवेट स्लीपर एसी बस में आग लग गई। हादसे में 9 यात्री जिंदा जल गए। बस में 35 यात्री सवार थे। कई यात्रियों ने खिड़की तोड़कर कूदकर जान बचाई। हादसा बुधवार रात 12 बजे जेवर एयरपोर्ट से 2 किमी दूर हुआ। बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से साढ़े 9 बजे महोबा के लिए निकली थी।

हादसे की सूचना पर फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां पहुंचीं। 45 मिनट में आग बुझाई गई। खिड़कियां तोड़कर 20 यात्रियों का रेस्क्यू किया गया। इसके बाद जवान बस के पीछे के हिस्से को काटकर बस के अंदर गए और एक-एक शव को बाहर निकाला। शव पूरी तरह जल गए थे। इसलिए

उनकी पहचान करना मुश्किल है। 2 घंटे तक रेस्क्यू चला।

आग लगने की दो वजहें सामने आ रही हैं। पहली- बस की एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। दूसरी- बस में पटाखे ले जाए जा रहे थे। इनमें विस्फोट के बाद आग लगी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही आग लगने की स्पष्ट वजह सामने आ पाएगी।

हादसे में बस पूरी तरह जल चुकी है। बस राज कल्पना ट्रैवल्स की है। पुलिस ने ड्राइवर और कंडक्टर को हिरासत में लिया है।

बस यात्री रिंकी राजपूत ने बताया- हादसे के वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। किसी ने मुझे जगाया और कहा कि बस में आग लग गई है। देखा तो बस में अफरा-तफरी मची थी। लोग चिल्ला रहे थे। सभी एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। पूरी बस के अंदर धुआं भर गया था। सबका दम घुट रहा था। हम लोगों ने खिड़की तोड़ी। इसके बाद कूदकर जान बचाई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को चपेट में ले लिया। कई लोग बस के अंदर ही रह गए थे।

सीएफओ बोले- ड्राइवर और कंडक्टर को हिरासत में लिया गया

सीएफओ नोएडा प्रदीप कुमार ने बताया- बस नई दिल्ली के कश्मीरी गेट से महोबा जा रही थी। यमुना एक्सप्रेस-वे पर 33 किलोमीटर के पास अचानक बस में आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस के अधिकारी, स्थानीय पुलिस, रेस्क्यू टीम और फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। टीम ने आग बुझाई और रेस्क्यू शुरू किया। 20 से ज्यादा यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम बस के अंदर पहुंची तो 9 लोग मृत मिले। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस के एसी में स्पार्क या ब्लास्ट होने से इंजन के लुब्रिकेंट ऑयल में आग लगी। इसके बाद आग तेजी से पूरी बस में फैल गई। घटना के संबंध में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। ड्राइवर-कंडक्टर को हिरासत में लिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यूपी सरकार मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख मुआवजा देगी- सीएम योगी ने हादसे पर दुःख जताया। साथ ही मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए देने का ऐलान किया।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों पर पीपीपी की छाया

592 करोड़ रुपये का उज्जैन कॉलेज भी चर्चा में

करीब 4 हजार करोड़ के सरकारी निवेश के बाद निजी भागीदारी पर सवाल

18 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी पीपीपी मॉडल में

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आमजन को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की है। ऐसे में मध्यप्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर संचालित करने की कवायद ने सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बहस छेड़ दी है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार प्रदेश के नौ सरकारी मेडिकल कॉलेजों को पीपीपी मॉडल में लाने की तैयारी की जा रही है। विपक्ष ने इसे सरकारी संसाधनों को निजी हाथों में देने की दिशा में कदम बताते हुए सवाल उठाए हैं।

डॉ. चन्दर सोनाने ने बताता की नीमच, सिंगरौली, श्योपुर, मंडला, राजगढ़, बुदनी, छतरपुर और दमोह सहित मेडिकल कॉलेजों के नाम सामने आए हैं। विभिन्न रिपोर्टों में इन संस्थानों में भवन, मशीनरी, फर्नीचर और अन्य सुविधाओं सहित सरकारी निवेश करीब 4 हजार करोड़ रुपये बताया गया है। हालांकि प्रस्ताव की अंतिम शर्तें, प्रत्येक संस्थान की पीपीपी संरचना और निजी भागीदार की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से सामने आना अभी बाकी है।

592 करोड़ का उज्जैन मेडिकल कॉलेज भी सवालों के घेरे में- उज्जैन में करीब 592.3 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। वर्ष 2024 में इसके

भूमिपूजन और निर्माण लागत की जानकारी सार्वजनिक हुई थी। अब यदि निमार्णाधीन उज्जैन मेडिकल कॉलेज को भी पीपीपी व्यवस्था में शामिल किए जाने की तैयारी की जा रही है, तो उज्जैन के लोगों के सामने स्वाभाविक सवाल है कि जिस संस्थान का निर्माण सरकारी निवेश से किया जा रहा है, उसके संचालन की व्यवस्था भविष्य में किसके हाथ में होगी और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं तथा शुल्क का निर्धारण किस व्यवस्था से होगा? उज्जैन में वर्ष 2021 में भी मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मॉडल से जोड़ने की चर्चा सामने आई थी। मौजूदा प्रस्तावों में उज्जैन का नाम शामिल होने का दावा राजनीतिक और मीडिया रिपोर्टों में किया गया है, हालांकि इसकी अंतिम सरकारी सूची और शर्तों की आधिकारिक प्रति सार्वजनिक होना इस पूरे मामले को स्पष्ट करने के लिए जरूरी है।

सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की कमजोरी का समाधान पीपीपी ही क्यों?

सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों की कमी, विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पद, मशीनों के रखरखाव और व्यवस्थागत समस्याएं वास्तविक चुनौतियां हैं। यदि इन समस्याओं के समाधान के लिए पीपीपी मॉडल अपनाया जा रहा है तो सरकार को सार्वजनिक रूप से यह बताना होगा कि निजी भागीदार को क्या अधिकार मिलेंगे और सरकार की निगरानी किस स्तर पर रहेगी। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि गरीब मरीजों के लिए मुफ्त या रियायती इलाज, जांच, दवाइयां, आयुष्मान भारत के मरीजों का उपचार और मेडिकल छात्रों की फीस जैसी व्यवस्थाओं पर इसका क्या असर पड़ेगा।

सवाल सिर्फ कॉलेज का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का है

- करीब 4 हजार करोड़ रुपये के सरकारी निवेश से तैयार अथवा विकसित हो रहे मेडिकल कॉलेजों को पीपीपी मॉडल में लाने की खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव का मामला नहीं है। इसका सीधा संबंध मेडिकल शिक्षा, डॉक्टरों की उपलब्धता और आम मरीज के इलाज से है।
- सरकार यदि पीपीपी मॉडल को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने का माध्यम मानती है तो उसे इसकी पूरी शर्तें सार्वजनिक करनी चाहिए। किस संस्था को कितना अधिकार मिलेगा, सरकार का नियंत्रण कितना रहेगा, मरीजों के लिए शुल्क की सीमा क्या होगी, गरीब मरीजों का इलाज कैसे सुनिश्चित होगा और पीपीपी की अवधि समाप्त होने के बाद संस्थान की स्थिति क्या होगी—इन सवालों के जवाब सार्वजनिक होना जरूरी है।
- उज्जैन के मामले में तो यह सवाल और महत्वपूर्ण है। 592 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा मेडिकल कॉलेज उज्जैन के लोगों की वर्षों पुरानी स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत से जुड़ा प्रोजेक्ट है। इसलिए शहर यह जानना चाहेगा कि यह कॉलेज अंततः सरकारी रहेगा या पीपीपी व्यवस्था में जाएगा और यदि जाएगा तो आम मरीज के लिए उसकी शर्तें क्या होंगी।
- सरकार की ओर से पीपीपी को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मॉडल बताया जा रहा है, जबकि विपक्ष और अन्य आलोचक इसे सरकारी स्वास्थ्य ढांचे के निजीकरण की दिशा में कदम बता रहे हैं। अब आवश्यकता आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर प्रस्ताव की पूरी शर्तें और मरीजों के हितों की गारंटी सार्वजनिक करने की है।

केंद्र-राज्य के पैसे से बने कॉलेजों पर भी सवाल

डॉ. चन्दर सोनाने ने बताया की कुछ मेडिकल कॉलेज केंद्र प्रायोजित योजना के तहत केंद्र और राज्य की साझी भागीदारी से विकसित हुए हैं। केंद्र सरकार के आधिकारिक दस्तावेजों में मध्यप्रदेश के राजगढ़, मंडला, नीमच, मंदसौर, श्योपुर और सिंगरौली जैसे जिलों के मेडिकल कॉलेजों को केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत स्वीकृत कॉलेजों में सूचीबद्ध किया गया है। वहीं सरकार स्वयं पीपीपी मॉडल को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के विस्तार का माध्यम बता रही है। सितंबर 2026 में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मध्यप्रदेश में पीपीपी मॉडल के जरिए मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार की सराहना की। केंद्र के अनुसार धार, पन्ना, कटनी और बैतूल में पीपीपी आधारित नए मेडिकल कॉलेज विकसित किए जा रहे हैं। डॉ. चन्दर सोनाने ने बताया की सरकार का तर्क यह है कि पीपीपी के जरिए निजी क्षेत्र की क्षमता और निवेश का इस्तेमाल करके मेडिकल शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा सकता है। दूसरी ओर सवाल यह है कि सरकारी जमीन, सरकारी निवेश और सार्वजनिक अस्पतालों से जुड़े संस्थानों में निजी भागीदारी होने पर आम मरीज के हितों की गारंटी कैसे होगी?

18 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी पीपीपी मॉडल में

मामला केवल मेडिकल कॉलेजों तक सीमित नहीं है। जून 2026 में मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा रीवा, देवास और गुना जिलों के 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने की मंजूरी की रिपोर्ट सामने आई थी। इनमें रीवा के आठ, देवास के चार और गुना के छह सीएचसी बताए गए हैं। सरकार की ओर से इसका उद्देश्य डॉक्टरों की कमी दूर करना और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना बताया गया। लेकिन यहां भी सवाल वही है—क्या सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निजी भागीदारी के साथ गरीब और ग्रामीण मरीजों के लिए इलाज, जांच और दवाओं की मौजूदा सुविधाएं उसी तरह सुनिश्चित रहेंगी?

सरकारी जादूगरी से शराब की गिरफ्त में अवंतिका नगरी

मुख्यमंत्री के गृहनगर में शराब कारोबारियों को खुली छूट...

अब हल्ला बोल की स्थिति, महिलाएं और सामाजिक संगठन संभालें मोर्चा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

धार्मिक नगरी उज्जैन को शराबमुक्त करने का सरकारी फैसला क्या केवल शहर की सीमा तक सीमित होकर रह गया है? शहर के भीतर शराब की दुकानें बंद कर दी गईं, लेकिन शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर कुछ ही दूरी आगे बढ़ते ही शराब के बड़े कारोबारी केंद्र नजर आने लगें तो सवाल उठना स्वाभाविक है—शराब बंद हुई है या सिर्फ उसका पता बदला गया है?

इंदौर रोड पर नवग्रह शनि मंदिर के आसपास और तपोभूमि से पहले स्थित बड़े शराब आउटलेट को लेकर अब सवाल और गंभीर हो गए हैं। जिस मार्ग से श्रद्धालु तपोभूमि की ओर जाते हैं, जहां जैन साधु-संतों का आगमन होता रहता है और छोटे-बड़े राजनीतिक तथा सामाजिक प्रतिनिधि भी पहुंचते हैं, उसी मार्ग पर शराब का बड़ा कारोबार धार्मिक नगरी की घोषित शराबबंदी की मंशा पर प्रश्न खड़े कर रहा है।

धार्मिक वातावरण वाले क्षेत्र के प्रवेश मार्ग पर शराब का बड़ा आउटलेट मौजूद

तपोभूमि जैन समाज के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां जैन साधु-संतों के साथ देशभर से श्रद्धालु और समाजजन आते हैं। ऐसे धार्मिक वातावरण वाले क्षेत्र के प्रवेश मार्ग पर शराब का बड़ा आउटलेट मौजूद होना जैन समाज के बीच असहजता और नाराजगी का कारण बन सकता है। सवाल यह है कि यदि सरकार ने धार्मिक नगरी को शराब के कारोबार से मुक्त करने का निर्णय लिया है तो धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों और उनके आसपास की स्थिति को इस नीति में किस रूप में देखा गया है? सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि शराबबंदी का आशय केवल नगर सीमा के भीतर दुकान बंद करना है या धार्मिक नगरी में प्रवेश करने वाले मार्गों की गरिमा का भी ध्यान रखना है।

शराबबंदी या कारोबार का स्थानांतरण- सरकारी फैसले के बाद शहर के भीतर शराब की दुकानें बंद हुईं। लेकिन यदि वही कारोबार शहर की सीमा से बाहर जाकर और बड़े स्वरूप में दिखाई देने लगे तो नीति के उद्देश्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शहर के अंदर दुकान नहीं, लेकिन शहर के दरवाजे पर बड़ा शराब केंद्र—क्या यही शराबमुक्त धार्मिक नगरी की परिकल्पना है? शराब कारोबारियों के लिए शहर की सीमा कोई सामाजिक सीमा नहीं होती। ग्राहक को केवल कुछ किलोमीटर बाहर जाना पड़े और शराब आसानी से उपलब्ध हो जाए तो उपलब्धता पर रोक कितनी प्रभावी हुई, इसका आकलन होना चाहिए।

साधु-संत आगे आएं तो जल्द हो सकता है समाधान

उज्जैन को धार्मिक नगरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में शराबबंदी को महत्वपूर्ण निर्णय माना गया था, लेकिन यदि शहर की सीमा से लगे क्षेत्रों में आसानी से शराब उपलब्ध होती रहे तो प्रतिबंध के उद्देश्य को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर उन मार्गों पर जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही रहती है।

साधु-संतों की पहल से उठ सकता है बड़ा मुद्दा- उज्जैन के साधु-संतों और धार्मिक संगठनों ने समय-समय पर धार्मिक नगरी की गरिमा से जुड़े मुद्दे उठाए हैं। यदि वे इस विषय को भी गंभीरता से लेकर प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखते हैं तो सीमा क्षेत्रों में शराब की बिक्री और उपलब्धता को लेकर ठोस कार्रवाई की मांग जोर पकड़ सकती है। नागरिकों का कहना है कि केवल शहर की सीमा के भीतर शराब की बिक्री रोक देना पर्याप्त नहीं है। यदि आसपास के क्षेत्रों में शराब आसानी से उपलब्ध रहे और लोग वहां जाकर शराब खरीदते रहें तो शराबबंदी के उद्देश्य की प्रभावशीलता पर प्रश्न खड़े होंगे।

अब निगाहें प्रशासन के साथ-साथ साधु-संतों और सामाजिक संगठनों की पहल पर हैं। यदि धार्मिक नगरी की मयार्दा और शराबबंदी के उद्देश्य को लेकर एकजुट होकर आवाज उठाई जाती है तो इस समस्या के समाधान की दिशा में जल्द कदम बढ़ सकते हैं।

अब हल्ला बोल की स्थिति क्यों बन रही है?

लगातार यह सवाल उठ रहा है कि धार्मिक नगरी में शराबबंदी के सरकारी फैसले के बावजूद शहर के प्रवेश मार्गों पर शराब कारोबार को जगह कैसे मिल रही है। यदि नागरिकों और सामाजिक संगठनों की आपत्तियां बढ़ती हैं तो प्रशासन को इसे केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानने के बजाय मूल प्रश्न का जवाब देना होगा। लोग पूछ रहे हैं—शहर के भीतर शराब हटाई गई या शहर के मुहाने पर पहुंचा दी गई?

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत पर बढ़ सकती है ईएमआई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.4% से बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। फिच का कहना है कि अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी 7.8% की रफ्तार से बढ़ी थी। यह दिखाता है कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत है। हालांकि, फिच का अनुमान है कि आने वाले महीनों में कम बारिश और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ सकती है। इस महंगाई पर को कंट्रोल में लाने के लिए रिजर्व बैंक आने वाले अक्टूबर महीने में ब्याज दरों को 0.25% तक बढ़ा सकता है। अगर आरबीआई ब्याज दरें बढ़ाता है, तो बैंकों से मिलने वाले होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन महंगे हो जाएंगे और आपकी महीने की ईएमआई थोड़ी बढ़ सकती है।

कर्नाटक के व्यक्ति की यूएई में हत्या

शव को 9 टुकड़ों में काटकर दो बैग में रखा, पत्नी-बेटा लापता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ शारजाह

कर्नाटक के एक व्यक्ति की संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में हत्या कर दी गई। उनकी लाश 9 टुकड़ों में मिली। शव के टुकड़े दो बैग में भरकर कार में रखे थे। मृतक की पहचान उडुपी जिले के एल्विन प्रकाश कुंदर के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी एल्विन प्रकाश के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने मंगलवार को दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक की पत्नी और बेटा लापता हैं। उनके बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

एल्विन पिछले 14 साल से शारजाह एयरपोर्ट पर काम कर रहा था। पिछले साल दिसंबर में वह अपने घर आया था, इसके बाद शारजाह लौट गया। उनकी पत्नी टीना कुंदर उडुपी के उदयवारा की रहने वाली हैं।

टीना शारजाह के एक स्कूल में टीचर हैं। उनका बेटा भी शारजाह में 10वीं क्लास में पढ़ रहा है। मृतक के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने 21 सितंबर को उडुपी के एसपी से मुलाकात कर मामले में कार्रवाई की मांग की।

करीब एक हफ्ते बाद जब अनिल ने दोबारा फोन किया, तब भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने शारजाह में रहने वाले प्रकाश के क्लासमेट मनोहर से संपर्क किया और उसका पता लगाने के लिए कहा।

मनोहर, प्रकाश को कंपनी की ओर से दिए गए फ्लैट पर पहुंचा। वहां मौजूद वॉचमैन ने बताया कि प्रकाश भारत जा चुके हैं। इसके बाद अनिल ने कंपनी के एचआर से संपर्क किया। वहां से भी शुरूआत में उन्हें बताया गया कि प्रकाश भारत लौट गया है।

गणेश गैलरी

मोहन नगर मे उज्जैन चा राजा मित्र मंडल द्वारा 41 फीट की गणेश प्रतिमा स्थापित की।

अपनेतक

बोल बम, रहो मगन

बाबा महाकाल की नगरी की तासीर बाकी शहरों से थोड़ी अलग है। भोलेनाथ को पशुपतिनाथ भी कहा जाता है और जब राज ही पशुपतिनाथ का हो तो पशुओं के मजे क्यों न हों! शहर की हर कॉलोनी और बाजार में कुत्तों की फौज बेखौफ दौड़ती नजर आती है तो मुख्य सड़कों पर गोवंश निडर होकर आराम फरमाता दिखाई देता है। कभी-कभार वर्चस्व की जंग छिड़ जाए तो बीच सड़क पर ही गोवंश का मल्लयुद्ध शुरू हो जाता है और यातायात तमाशबीन बनकर खड़ा रहता है।

डॉग बाइट के मामले सामने आते रहें, नागरिक परेशान होते रहें, लेकिन भोले की नगरी में आखिर किसकी हिम्मत है कि इन बेजुबानों को पकड़वाने की जहमत उठाए और जनता को राहत दिलाए? आखिर बाबा की नगरी है... सब बाबा भरोसे!

अब फुटपाथ की बात कर लें। फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए बनाए गए हैं, लेकिन वाहन मालिकों ने इसे अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है। जहां जगह मिली, वहीं कार खड़ी। कॉलोनी के पार्क की बाउंड्री से लेकर सड़क किनारे तक चौपहिया वाहन ऐसे सजे रहते हैं, मानो स्मार्ट सिटी की सजावट में चार चांद लगाने की जिम्मेदारी इन्हीं पर हो।

नए शहर के पढ़े-लिखे और समझदार लोग भी भला पीछे क्यों रहें? शिक्षा का स्तर ऊंचा है तो रसूख दिखाने का हक भी तो बनता है। सड़क पर कार खड़ी कर उसे संकरा करने में योगदान देना आखिर सामाजिक जिम्मेदारी ही तो है!

अब महानंदानगर के महानंदा एरिना के आसपास बने साइकिल पाथ को ही देख लीजिए। नाम साइकिल पाथ, लेकिन उस पर साइकिल कम और टहलते हुए प्रबुद्ध नागरिक ज्यादा दिखाई देते हैं। स्वस्थ रहने की मुहिम में पैदल चलने वालों का उत्साह देखकर लगता है कि साइकिल चलाने वालों को भी अब संतोष कर लेना चाहिए—भोले की नगरी है, ऑल इज वेल!

और यातायात? उसे भी शायद बाबा महाकाल के भरोसे छोड़ दिया गया है। शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम लगे, वाहन रेंगते रहें और लोग रास्ता तलाशते रहें—आमजन ने इसे भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा मान लिया है। शायद यातायात अमले को भरोसा है कि जब बाबा महाकाल काल को साध सकते हैं तो यातायात को भी कभी न कभी साध ही लेंगे।

तब तक कुत्ते स्वच्छंद, गोवंश सड़क पर, कारें फुटपाथ पर, लोग साइकिल पाथ पर और वाहन जाम में...

आखिर नगरी बाबा महाकाल की है—

बोल बम... रहो मगन!

सिंहस्थ की तैयारियों के बीच जर्जर देवास गेट बस स्टैंड

छत से गिर रहा प्लास्टर, टूटा फर्श, बंद पंखे-लाइट; महिला यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ 2028 को लेकर उज्जैन में बड़े पैमाने पर निर्माण और विकास कार्य चल रहे हैं। शहर की तस्वीर बदलने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर शहर के प्रमुख देवास गेट बस स्टैंड की बदहाल स्थिति व्यवस्थाओं के दावों पर सवाल खड़े कर रही है। जर्जर भवन, छत और दीवारों से गिरता प्लास्टर, उखड़ा फर्श, बंद पंखे और खराब प्रकाश व्यवस्था के बीच यात्रियों को बसों का इंतजार करना पड़ रहा है।

बस स्टैंड जैसे प्रमुख यात्री केंद्र पर यदि समय रहते मरम्मत और सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो भविष्य में दुर्घटना का खतरा बना रह सकता है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से भवन की तकनीकी जांच कराने और जर्जर हिस्सों की तत्काल मरम्मत की मांग की है। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच करोड़ों रुपये के निर्माण कार्यों और शहर के सौंदर्यीकरण पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में यात्रियों की प्रत्यक्ष जरूरतों से जुड़े देवास गेट बस स्टैंड की जर्जर स्थिति सवाल खड़ा करती है कि क्या प्रशासन किसी हादसे के बाद जागेगा या सिंहस्थ से पहले ही यहां व्यवस्थाएं सुधार दी जाएंगी?

जगह-जगह जर्जर भवन, प्लास्टर गिरने का खतरा

देवास गेट बस स्टैंड की छत और दीवारों के कई हिस्सों से प्लास्टर निकल चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी यहां हादसा होते-होते बचा। यात्रियों की लगातार आवाजाही के बीच जर्जर हिस्से चिंता का कारण बने हुए हैं। स्थानीय दुकानदार विमल कुमार खंडेलवाल का कहना है कि सिंहस्थ को देखते हुए शहर में बड़े स्तर पर व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं, ऐसे में बस स्टैंड जैसे महत्वपूर्ण यात्री केंद्र की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भवन की मरम्मत के साथ पेयजल, नाली की सफाई और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित करने की मांग की।

टूटे फर्श से ठोकर का खतरा

बस स्टैंड परिसर के कुछ हिस्सों में फर्श की पट्टियां उखड़ी हुई हैं। इससे यात्रियों के ठोकर खाकर गिरने की आशंका बनी रहती है। बुजुर्ग, बच्चे और सामान लेकर चलने वाले यात्रियों के लिए यह स्थिति अधिक परेशानी वाली हो सकती है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित बैठने की व्यवस्था पर सवाल

बस स्टैंड पर महिलाओं के लिए निर्धारित बैठने की व्यवस्था को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार उक्त स्थान पर असामाजिक तत्व और नशेड़ी बैठे रहते हैं। ऐसे में महिला यात्रियों को बस का इंतजार करने के लिए फर्श पर बैठना पड़ता है। लोगों ने महिला यात्रियों की सुविधा के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित प्रतीक्षालय की व्यवस्था करने के साथ रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बंद पंखे और खराब प्रकाश व्यवस्था

यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए कई पंखे बंद बताए जा रहे हैं। कुछ स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था भी ठीक नहीं होने की शिकायत है। गर्मी और उमस के बीच यात्रियों को लंबे समय तक बस का इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यात्री सुविधाओं की नियमित जांच के लिए जिम्मेदार विभाग को व्यवस्था बनानी चाहिए, ताकि खराब पंखे, लाइट और अन्य सुविधाओं की समय पर मरम्मत हो सके।

सिंहस्थ में बढ़ेगी यात्रियों की संख्या

देवास गेट बस स्टैंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही होती है। सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं और यात्रियों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना को देखते हुए यहां व्यवस्थाओं को अभी से दुरुस्त करने की जरूरत है। अंकित खत्री ने कहा कि सिंहस्थ के लिए शहर में बड़े निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन देवास गेट बस स्टैंड की स्थिति पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। जर्जर भवन की मरम्मत के साथ यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाएं बेहतर करना जरूरी है। आशीष उपाध्याय ने कहा कि बारिश के दौरान भी यात्रियों को परेशानी होती है। जर्जर छत, बंद पंखे और खराब लाइट व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन को किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

अनंत चतुर्दशी पर विघ्नहर्ता की आराधना का विशेष महत्व

विधि-विधान से करें बप्पा की विदाई

अगले वर्ष शीघ्र पधारने की करें प्रार्थना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गणेश चतुर्थी से प्रारंभ हुए गणेशोत्सव का अनंत चतुर्दशी के दिन विधि-विधान के साथ समापन होता है। जिस प्रकार गणेश चतुर्थी पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की स्थापना और आराधना का विशेष महत्व माना गया है, उसी प्रकार गणेशोत्सव के अंतिम दिन बप्पा की श्रद्धापूर्वक विदाई का भी धार्मिक महत्व है। भक्त इस दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, शांति और सभी विघ्नों के निवारण की कामना करते हैं।

कैसे करें बप्पा को विदा

गणेशजी की पार्थिव प्रतिमा को विसर्जन से पूर्व शुद्धता के साथ गंगाजल से प्रतीकात्मक स्नान कराएं। इसके बाद वस्त्र अर्पित कर सिंदूर, कुंकुम, अक्षत और गुलाल चढ़ाएं। धूप एवं घी का दीपक प्रज्वलित कर भगवान गणेश की पूजा करें। गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करना भी शुभ माना जाता है।

पूजन के बाद गणेशजी को मोदक सहित प्रिय नैवेद्य अर्पित करें। आरती कर भगवान से जाने-अनजाने हुई भूलों के लिए क्षमा प्रार्थना करें और परिवार से सभी विघ्नों को दूर रखने तथा सुख-शांति प्रदान करने की कामना करें।

विसर्जन से पहले गणेशजी की प्रतिमा को उसके मूल स्थान से थोड़ा सरकाकर स्थापना का समापन किया जाता है। इसके बाद श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार गणेश प्रतिमा को नदी अथवा प्रशासन द्वारा निर्धारित विसर्जन कुंड तक ले जाकर विधि-विधान से विसर्जित कर सकते हैं। विदाई के समय बप्पा से अगले वर्ष फिर शीघ्र पधारने की प्रार्थना करने की परंपरा है।

बप्पा को प्रिय वस्तुएं अर्पित करें

गणेशजी की विदाई की घड़ी में भक्त उन्हें उनकी प्रिय मानी जाने वाली वस्तुएं अर्पित करते हैं। पूजा में दूर्वा, मोदक, पारिजात (हरसिंगार) के पुष्प और लाल गुड़हल के फूल अर्पित करने की परंपरा है। श्रद्धालु इन वस्तुओं के साथ भगवान गणेश से परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, शांति और सभी प्रकार के विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं। गणेशोत्सव का समापन केवल प्रतिमा विसर्जन नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और अगले वर्ष बप्पा के पुनः आगमन की आशा के साथ किया जाने वाला धार्मिक भाव-विसर्जन भी माना जाता है।

दस दिन बाद ही क्यों होता है विसर्जन?

धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी एक कथा के अनुसार महर्षि वेदव्यास ने भगवान गणेश को महाभारत की कथा सुनाई और गणेशजी ने लगातार दस दिनों तक उसका लेखन किया। यह कार्य अत्यंत श्रमसाध्य था। कथा पूर्ण होने के बाद गणेशजी का शरीर अत्यधिक गर्म हो गया था। मान्यता है कि इस ताप को शांत करने के लिए महर्षि वेदव्यास ने उन्हें सरोवर में स्नान कराया। इसी कथा से गणेशोत्सव के दसवें दिन, अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा के विसर्जन की धार्मिक परंपरा को जोड़ा जाता है।

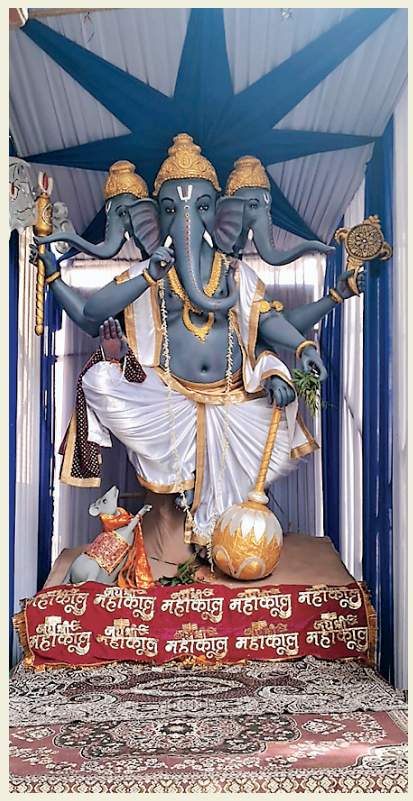

पोटली का भी बताया गया है महत्व

गणेशोत्सव के अंतिम दिन पूजा के दौरान गणेशजी की प्रतिमा के समीप पीले कपड़े में गुड़, अक्षत, हल्दी और एक सिक्का रखकर पोटली बनाने की भी धार्मिक परंपरा बताई जाती है। पूजा के बाद इसे पूजा स्थल अथवा तिजोरी में रखने की मान्यता है। भक्त कामना करते हैं कि भगवान गणेश की कृपा से घर में धन-धान्य की समृद्धि, सुख और शांति बनी रहे।

ये दिल मांगे मोर के अमर नायकों के घर पहुंचकर नम हुई आंखें

कैप्टन बत्रा और सौरभ कालिया के परिवारों से मिलकर महसूस किया शौर्य और बलिदान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कारगिल युद्ध के अमर शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा और कैप्टन सौरभ कालिया का नाम आते ही देशभक्ति, साहस और सर्वोच्च बलिदान की तस्वीर आंखों के सामने उभर आती है। ह्ये दिल मांगे मोरह्न का जोशीला उद्घोष करने वाले कैप्टन विक्रम बत्रा और कारगिल की विषम परिस्थितियों में अदम्य साहस का परिचय देने वाले कैप्टन सौरभ कालिया के घर पहुंचना मेरे लिए भावुक और अविस्मरणीय अनुभव रहा।

हिमाचल प्रदेश के पालमपुर से करीब 6 किलोमीटर दूर घुघर ग्राम में कैप्टन विक्रम बत्रा के घर जाने और उनके परिवार से जुड़ी स्मृतियों को करीब से देखने का अवसर मिला। उनके माता-पिता से जुड़ी यादें आज भी वहां जीवंत हैं। उनकी माताजी का दो वर्ष पूर्व निधन हो चुका है, जबकि उनके पिता वर्तमान में अपने बड़े पुत्र के साथ चंडीगढ़ में रहते हैं। उनके घर से जुड़े परिसर में नया स्मारक एवं भवन निमार्णाधीन है, जो आने वाली पीढ़ियों को उनके शौर्य और बलिदान की कहानी सुनाएगा।

इसके बाद कैप्टन सौरभ कालिया के घर पहुंचने का अवसर मिला। यहां संगिनी ग्रुप की अध्यक्ष ममता सांगते ने कैप्टन सौरभ कालिया के माता-पिता का बाबा महाकाल की शॉल से सम्मान किया और बाबा महाकाल का प्रसाद भेंट किया। प्रसाद ग्रहण करते हुए उनके माता-पिता भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल का प्रसाद पाकर ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने स्वयं बाबा महाकाल के दर्शन कर लिए हों। कैप्टन सौरभ कालिया की माताजी ने भावुक होकर कहा—तुम सब मेरे लिए मेरे सौरभ हो। उन्होंने गर्व से कहा कि उनका बेटा भारत माता के लिए शहीद हुआ है और उन्हें अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है।

अनंत चतुर्दशी पर निकलेगी शोभायात्रा, शाम को होगा कलशाभिषेक

10 दिवसीय आराधना पूर्ण होने पर जैन मंदिर ट्रस्ट नमक मंडी का आयोजन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

दशलक्षण महापर्व के अवसर पर 10 दिवसीय धार्मिक आराधना पूर्ण होने पर अनंत चतुर्दशी के दिन शुक्रवार 25 सितम्बर को पारंपरिक चल समारोह निकाला जाएगा। शोभायात्रा दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। यह शोभायात्रा खाराकुआं से शुरू होकर एटलस चौराहा, ब्राह्मण गली, क्षीरसागर, कंठाल और सराफा मार्ग से होते हुए नमक मंडी जैन मंदिर पर समाप्त होगी। जैन मंदिर ट्रस्ट नमक मंडी के सचिव अनिल गंगवाल ने बताया कि शोभायात्रा के समापन पर मंदिर में शाम 5:30 बजे कलशाभिषेक किया जाएगा। ट्रस्ट ने सभी से इस शोभायात्रा और अभिषेक में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

पटवारी व पंचायत सचिवों की तरह स्वास्थ्य कर्मियों को भी ई-अटेंडेंस से मिले छूट

उज्जैन। राजस्व और पंचायत विभाग की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों एएनएम और एमपीडब्ल्यू को भी सार्थक ई-अटेंडेंस प्रणाली से मुक्त करने की मांग उठी है। इस संबंध में न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की उज्जैन जिला और संभागीय इकाई ने मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख योगेश चौरसिया को ज्ञापन सौंपा है। जिला अध्यक्ष एसपी अहिरवार और जिला मीडिया प्रभारी विजय परमार ने बताया कि राजस्व विभाग के पटवारी, पंचायत विभाग के पीसीओ और वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों को ई-अटेंडेंस प्रणाली से मुक्त रखा गया है। इसी तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ हो रहा भेदभावपूर्ण रवैया बंद किया जाए और उन्हें भी इससे छूट दी जाए। ज्ञापन में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर महिला कर्मचारियों को एक से अधिक गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं देने हेतु जाना पड़ता है। आवागमन के साधनों के अभाव और तकनीकी कारणों से ई-अटेंडेंस दर्ज करने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। देरी के कारण अटेंडेंस दर्ज करने से चूक जाने पर कर्मचारियों का पूरे माह तक का वेतन काट लिया जाता है अथवा रोक लिया जाता है। जिला अध्यक्ष एसपी अहिरवार और जिला मीडिया प्रभारी विजय परमार ने बताया कि ज्ञापन सौंपने के दौरान संभागीय अध्यक्ष एमआर मंसूरी, संभागीय सचिव संजय सिसोदिया, संभागीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गहलोत, जिला सचिव पीएन कटारिया, अंजुम कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष महेश धनेलिया, बड़नगर ब्लॉक अध्यक्ष गायत्री वाडिया, पुष्पा परिहार, घटिया ब्लॉक से माधुरी, ताजपुर ब्लॉक से हेमलता, जगदीश पांचाल, मालती अहिरवार, वंदना यादव, दीपा शेखावत, महिदपुर ब्लॉक से हरिहरन सहित संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रशासन बेखबर, स्वच्छंद घूम रहे शूकर

स्वाइन फ्लू के खतरे के बीच स्वास्थ्य विभाग की निष्क्रियता पर सवाल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

ऋषिनगर क्षेत्र में विगत दिनों एक महिला की स्वाइन फ्लू से मौत के बाद भी शहर में संक्रमण की रोकथाम को लेकर प्रशासन और नगर निगम का स्वास्थ्य अमला अपेक्षित गंभीरता दिखाता नजर नहीं आ रहा है। शहर के कई क्षेत्रों में शूकर खुलेआम घूमते दिखाई दे रहे हैं, जबकि उन्हें पकड़ने की मुहिम फिलहाल ठंडी पड़ी नजर आती है।

चिंता की बात यह है कि ऋषिनगर से सटे पुष्पा मिशन अस्पताल के बाहर भी बड़ी संख्या में शूकर स्वच्छंद घूमते नजर आ रहे हैं। अस्पताल के बाहर स्थित एक प्लाट पर दिनभर शूकर आराम करते और विचरण करते दिखाई देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से यहां शूकरों का जमावड़ा बना हुआ है, लेकिन नगर निगम का अमला इन्हें हटाने या पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा।

अस्पताल के बाहर ही जमावड़ा, जिम्मेदारों की नजर क्यों नहीं?

पुष्पा मिशन अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल के आसपास खुले में घूमते शूकरों को लेकर स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण की व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब क्षेत्र में स्वाइन फ्लू से मौत की घटना सामने आ चुकी है। हालांकि स्वाइन फ्लू के प्रसार और खुले में घूम रहे शूकरों के बीच सीधा संबंध स्थानीय स्तर पर प्रमाणित किए बिना नहीं माना जा सकता, लेकिन संक्रमण की आशंका वाले वातावरण में स्वच्छता और पशु नियंत्रण को लेकर लापरवाही निश्चित रूप से चिंता का विषय है।

कार्रवाई कब होगी?

एक ओर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग लोगों को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह देता है, वहीं दूसरी ओर अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान के आसपास ही शूकरों का जमावड़ा दिखाई देना व्यवस्थाओं की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि नगर निगम तत्काल क्षेत्र का निरीक्षण कर शूकरों को हटाने की कार्रवाई करे तथा संवेदनशील इलाकों में नियमित निगरानी और साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। स्वाइन फ्लू से मौत के बाद यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा तो सवाल यही रहेगा कि खतरा सामने आने के बाद भी जिम्मेदार महकमा आखिर किसका इंतजार कर रहा है?

उज्जैन
गुरुवार
24
सितम्बर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

ज्ञानवानेन सुखवान् ज्ञानवानेव जीवति।
ज्ञानवानेव बलवान् तस्मात् ज्ञानमयो भव।।
अर्थ: ज्ञानी सुखी होता है, और ज्ञान हिंदी में मतलब (मीनिंग) होता है, जो ज्ञानी है, इसलिए तुम बुद्धिमान हो जाते हो।

खबर एक नजर...

वर्क फ्रॉम होम जॉब के नाम पर छात्रा से ठगी, इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर किया संपर्क

इंदौर। वर्क फ्रॉम होम और पार्ट टाइम जॉब के नाम पर साइबर ठगों ने एक छात्रा को निशाना बनाया। इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देखकर संपर्क करने वाली छात्रा से आरोपियों ने रजिस्ट्रेशन, लैपटॉप, इंश्योरेंस और इनकम टैक्स क्लियरेंस के नाम पर किस्तों में रुपए जमा करवाए। ठगी का अहसास होने पर छात्रा ने राजेंद्र नगर थाने में शिकायत की। पुलिस ने बुधवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक सलोनी ने शिकायत में बताया कि 13 सितंबर को वह मोबाइल पर इंस्टाग्राम चला रही थी। इसी दौरान उसे नौकरी का विज्ञापन दिखा। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद उसका मोबाइल नंबर संबंधित एजेंसी तक पहुंच गया। इसके बाद एक व्यक्ति ने कॉल कर खुद को रिक्रूटर बताया और कहा कि उसका नंबर जॉब के लिए शॉर्टलिस्ट हुआ है। रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर उससे 1500 रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। अगले दिन खुद को नामी एजुकेशनल कंपनी बायजू का प्रतिनिधि बताने वाले व्यक्ति ने सलोनी को कॉल किया। उसने नौकरी पक्की होने की बात कहते हुए कंपनी की ओर से लैपटॉप और मोबाइल देने का झांसा दिया। इसके लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर 9600 रुपए जमा करवाए। इसके बाद छह महीने के इंश्योरेंस के नाम पर 4800 रुपए और लिए। आरोपियों ने कुछ देर बाद फिर कॉल किया और कहा कि आधा पेमेंट होने के कारण सिस्टम में एंट्री नहीं दिख रही है। इस बहाने पहले 4800 और फिर 9600 रुपए दोबारा जमा करवाए। इसके बाद दूसरे नंबर से फोन कर इनकम टैक्स क्लियरेंस के नाम पर 14,900 रुपए और ट्रांसफर करा लिए। बार-बार रुपए मांगने और नौकरी का अपॉइंटमेंट लेटर नहीं मिलने पर सलोनी को ठगी का शक हुआ।

पंढरीनाथ सड़क:ड्रेनेज नहीं, पाइप लाइन में लीकेज से धंसी सड़क; दो महीने से रिस रहा था पानी

इंदौर। स्मार्ट सिटी क्षेत्र के पंढरीनाथ मंदिर के पास धंसी सड़क में बड़ी खामी सामने आई है। पड़ताल में पता चला कि यह सड़क ड्रेनेज के कारण नहीं, बल्कि स्मार्ट सिटी की पाइप लाइन में लीकेज के कारण धंसी है। खुदाई में लाइन के नीचे करीब 2 एमएम तक क्रेक भी मिले हैं। वहीं पानी की लाइन के पाइप एक मीटर की जगह सिर्फ डेढ़ से दो फीट गहराई पर ही डाले गए थे। कुछ समय पहले मोबाइल कंपनी ने इसी क्षेत्र में ट्रेंचलेस तकनीक से जमीन के नीचे लाइन डाली थी। इसी काम के दौरान पानी की लाइन क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। करीब दो महीने से पानी रिस रहा था। मंगलवार को दिन-रात काम कर पानी की लाइन की मरम्मत कराई गई और नीचे के हिस्से में भराव किया गया। जोनल अधिकारी राहुल सूर्यवंशी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताय वहां ड्रेनेज लाइन और चैंबर की जांच की गई, लेकिन कोई लीकेज नहीं मिला। इसके बाद आगे खुदाई की गई तो पानी की लाइन में लीकेज मिला। पाइप में नीचे की साइड करीब 2 एमएम के क्रेक भी पाए गए। इसके भी दो फीट नीचे से मोबाइल कंपनी ने लाइन डालने के लिए खुदाई की थी। पाइप से निकलता पानी आसपास की मिट्टी को काटता और बहाता रहा। जांच में सामने आया कि करीब दो महीने पहले एक मोबाइल कंपनी ने इसी क्षेत्र में ट्रेंचलेस पद्धति से जमीन के नीचे अपनी लाइन डाली थी। इसी काम के दौरान पानी की लाइन क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। अब 12 अफसर-कर्मचारियों की टीम ने मौके की स्थिति का पंचनामा तैयार कर निगम को भेजा है।

लोन मंजूर से पहले काम पूरा कागजों पर पॉलीहाउस दिखा 9.70 करोड़ रुपए का गबन

इंदौर। राष्ट्रीय बागवानी मिशन की पॉलीहाउस योजना में किसानों के नाम पर बैंक से करोड़ों रुपए निकालने का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की जांच में 33 किसानों के नाम पर स्वीकृत 7 करोड़ 80 लाख 85 हजार रुपए के 33 ऋण प्रकरणों में बिना पॉलीहाउस बनाए राशि निजी संस्थाओं को भुगतान किए जाने का आरोप है। जांच में 16 मामलों में तो ऋण स्वीकृत होने की तारीख से भी पहले के पूर्णता प्रमाण पत्र मिले हैं। इन प्रमाण पत्रों को प्रथम दृष्टया कूटरचित पाया गया है।मामले में चार निजी संस्थाओं, उनके संचालकों और साझेदारों के साथ बैंक अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। एसपी रामेश्वर सिंह यादव के अनुसार बैंक को 7 करोड़ 80 लाख 85 हजार रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाई गई। इसी जांच में एक अलग प्रकरण में पहले से बंधक करीब एक हेक्टेयर जमीन को बैंक की अनुमति और अनापत्ति प्रमाण पत्र के बिना दोबारा बंधक रखकर 1 करोड़ 90 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत कराने का मामला भी सामने आया। दोनों प्रकरणों में बैंक को कुल 9 करोड़ 70 लाख 85 हजार रुपए की क्षति पहुंचाने का आरोप है।

इंदौर मेट्रो की सुरंग पर बढ़ा विरोध, रहवासियों ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

इंदौर। शहर में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के बीच प्रस्तावित भूमिगत रूट को लेकर तिलक नगर, गोयल नगर, साईंनाथ कॉलोनी और आसपास के रहवासियों की आपत्तियां जारी हैं। बुधवार को तिलक नगर में रहवासियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को प्रस्तावित रूट की जानकारी दी और उनकी आपत्तियां व सुझाव दर्ज किए। रहवासियों का कहना है कि उनका विरोध मेट्रो परियोजना से नहीं, बल्कि आबादी वाले क्षेत्रों के नीचे से प्रस्तावित सुरंग के विकल्प को लेकर है। रहवासियों ने मांग की है कि घनी बस्तियों, पुराने मकानों और बड़ी संख्या में बोरिंग वाले क्षेत्रों के नीचे से सुरंग निकालने के अलावा अन्य संभावित रूट का भी तकनीकी अध्ययन कराया जाए। उनका कहना है कि परियोजना जरूरी है, लेकिन निर्माण के दौरान स्थानीय परिस्थितियों और सुरक्षा को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

राज्य वुशु चैंपियनशिप में इंदौर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

वुशु सांडा में इंदौर अव्वल, ओवरऑल चैंपियनशिप में तीसरा स्थान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य वुशु चैंपियनशिप-2026 में इंदौर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सांडा (फाइट) चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं ओवरऑल चैंपियनशिप में इंदौर की टीम ने तीसरा स्थान हासिल कर शहर को गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में इंदौर के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

स्वर्ण पदक विजेता- नम्रता बत्रा, श्रीनिका तिवारी, शानवी तिवारी, नकुल सैंडो, राज मौर्य, शुभ पाल, श्रुति वैभव, रेणु सोनी, भावेश बनोडा, ओजस शर्मा, आदित्य रेनके, रुद्र राठौर, आदित्य रावत, आयार्ही चौहान, निकुंज सैनी, रुद्र लाहोटी, शिवम शुक्ला, केयान सिंह जाटव, राधिका तिवारी, वारेन्य त्रिपाठी, नंदिनी त्रिपाठी, दिया संतानी, दृष्टि पंवार, रेचल शर्मा एवं राजेश लिंबा ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

रजत पदक विजेता- सुरभि मेहता, दक्षा गुप्ता, कृष्णा पाल, जयंत व्यास, यशराज, दीक्षा एस्के, साक्षी जगरिया एवं पूर्विका जोशी ने रजत पदक हासिल किया।

कांस्य पदक विजेता- निखिल चौहान, परिणीधी बोके, कुशाग्र चौहान, नवाज खान, तरुण उमाड़े, यथार्थ गुप्ता, हर्षिता चौहान एवं रोहित विश्वकर्मा ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

चौथे स्थान पर रहे खिलाड़ी- इंदौर के वैष्णवी झांझरे, रितिका हिंगोटिया, प्रशंसा पाटीदार, विषिका विश्वकर्मा, किरण मालवीय, आदित्य सिंह भाटिया, यथार्थ गुप्ता, आयुष गुर्जर, सम्यक जैन, विनायक चौहान, सिद्धार्थ बाथम, मिहीष्का निकम, निष्ठा पाटीदार, अलेक्सा पाटीदार, केवीशा पाटीदार, अर्पित शर्मा, गर्वित कुशवाह, रांचीतेश सिंह, वंश दुमाने, देवयानी नावले, गौरव साकले, तनिष नारोलिया, सिया चौहान, गोविंद शर्मा, जसविंदर सिंह एवं दिव्यांश चौहान ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्ग में चौथा स्थान प्राप्त किया।

पांच कोचों ने संभाली टीम की कमान- इंदौर टीम के साथ कोच के रूप में निकिता भास्कले, सोनू जाटव, पलाश जोशी, देवेंद्र सिंह चौहान एवं अश्विन खेरदे शामिल रहे। प्रतियोगिता में प्रदेश की लगभग 36 टीमों ने भाग लिया।

पदक विजेताओं को दी बधाई

इंदौर के खिलाड़ियों की सफलता पर मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रमेश मंडोला, मध्य प्रदेश खेल संचालक चंचल शेखर, मध्य प्रदेश वुशु संघ के अध्यक्ष जयदेव प्रसाद, मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी तथा जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग की अधिकारी रीना चौहान ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जिन विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, उनके संचालकों एवं प्राचार्यों ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह जानकारी इंदौर जिला वुशु संघ के सचिव इंद्रदेव शर्मा ने दी।

यूपीआई पर सरचार्ज बर्दाश्त नहीं

सरचार्ज को लेकर तय करेंगे आगे की रणनीति, कैश में व्यापार करने की बात कही : एसोसिएशन अध्यक्ष

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

यूपीआई पर प्रस्तावित सरचार्ज को लेकर इंदौर के मध्य क्षेत्र के व्यापारियों में नाराजगी है। इसके विरोध में व्यापारियों ने 23 सितंबर को नो यूपीआई डे मनाया। राजबाड़ा क्षेत्र में इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यूपीआई साउंड बॉक्स और क्यूआर कोड को एक टेबल पर रखकर उस पर काला कपड़ा डाला और विरोध दर्ज कराया। अब व्यापारी संगठनों की बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। व्यापारियों का कहना है कि सरचार्ज को लेकर समाधान नहीं हुआ तो वे नगद कारोबार की ओर लौटने पर विचार करेंगे।

पोस्टर लगाकर पहले से चला रहे थे जागरूकता अभियान- यूपीआई पर प्रस्तावित सरचार्ज की जानकारी सामने आने के बाद इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने दुकानों पर पोस्टर लगाने के साथ सोशल मीडिया के जरिए भी व्यापारियों और ग्राहकों को इसके बारे में जानकारी देना शुरू किया था। बुधवार को राजबाड़ा क्षेत्र में व्यापारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताया।

सरचार्ज बर्दाश्त नहीं करेंगे

एसोसिएशन अध्यक्ष अक्षय जैन ने कहा कि आगे का निर्णय अहिल्या चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी सरचार्ज को स्वीकार नहीं करेंगे। यदि सरकार की ओर से इसका समाधान नहीं किया गया तो मजबूरी में नगद कारोबार की ओर लौटना पड़ सकता है। उनके मुताबिक इस अभियान के साथ कई एसोसिएशन हैं और अहिल्या चैंबर्स ऑफ कॉमर्स से करीब 125 व्यापारिक संगठन जुड़े हैं। जैन ने कहा कि 2016 से 2026 के बीच व्यापारियों ने कैश से डिजिटल पेमेंट की ओर रुख किया है। वर्तमान में करीब 85% कारोबार डिजिटल माध्यम से होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सरचार्ज से डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उन्होंने दोहराया कि समाधान नहीं हुआ तो व्यापारी फिर नगद भुगतान की ओर रुख करने पर विचार करेंगे।

मौत के 9 महीने बाद मृत व्यक्ति को नोटिस

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने बानेड़िया गांव की करीब 1,501 बीघा जमीन और बानेड़िया टैंक से जुड़ी लगभग छह दशक पुरानी सीलिंग कार्रवाई को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि जमीन के मूल भू-स्वामी सरदार माधव राव किबे की मृत्यु के करीब नौ महीने बाद उनके नाम पर सीलिंग एक्ट का नोटिस जारी किया गया था। बुधवार को कोर्ट ने इसी आधार पर पूरी कार्रवाई को अवैध मानते हुए निरस्त कर दिया। जस्टिस संदीप एन. भट्ट की सिंगल बेंच ने यह आदेश राजत बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर दिया। कंपनी ने इस जमीन का बोनाफाइड खरीदार होने का दावा करते हुए सीलिंग की कार्रवाई को चुनौती दी थी।

मामले में सबसे अहम तथ्य यह रहा कि सरदार माधव राव किबे का निधन 12 अक्टूबर 1963 को हो चुका था। इसके बावजूद उनके नाम पर 15 जुलाई 1964 को सीलिंग एक्ट का नोटिस जारी किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि मृत व्यक्ति के नाम जारी किया गया नोटिस कानून की नजर में शून्य है। हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए माना कि जब कार्रवाई की मूल प्रक्रिया ही वैध नहीं थी, तो उसके आधार पर आगे की कार्यवाही को भी कायम नहीं रखा जा सकता। बानेड़िया की इस जमीन का विवाद करीब छह दशक से चला आ रहा है। वर्ष 1960 में राज्य सरकार ने जमीन पर कब्जा लिया था। इसके बाद 1966 में सिविल कोर्ट ने डिक्री पारित कर जमीन का कब्जा वारिसों को वापस सौंपने का आदेश दिया।

7-10 एमएम के चीरे से स्पाइन सर्जरी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

रीढ़ की बीमारी को अब सिर्फ उम्रदराज लोगों की समस्या मानना सही नहीं है। मोबाइल और कम्प्यूटर पर लगातार काम करने के कारण कम उम्र के युवा भी गर्दन और कमर दर्द की शिकायत लेकर स्पाइन सर्जन तक पहुंच रहे हैं।

इंदौर के स्पाइन सर्जन डॉ. प्रसाद पाटगांवकर के मुताबिक इलाज के लिए आने वाले मरीजों में करीब 20% मरीज 15 से 25 साल की उम्र के हैं। वहीं, स्पाइन से जुड़ी समस्याओं के मरीजों की संख्या हर साल करीब 60% बढ़ रही है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में तेजी से इस्तेमाल हो रही एंडोस्कोपिक तकनीक पर चर्चा के लिए इंदौर में 25 से 27 सितंबर तक एंडोस्पाइनकॉन 2026 का आयोजन होगा। इंदौर स्पाइनल वेलफेयर सोसाइटी और इंदौर स्पाइन सर्जन एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के विशेषज्ञ एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी की आधुनिक तकनीकों पर चर्चा करेंगे। आयोजकों के मुताबिक, सम्मेलन में करीब 31 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी और 100 से ज्यादा डेलीगेट्स शामिल होंगे। डॉ. पाटगांवकर के मुताबिक, मोबाइल और कंप्यूटर का लगातार और गलत पोस्चर में इस्तेमाल गर्दन और कमर से जुड़ी समस्याओं की एक बड़ी वजह बनकर सामने आ रहा है। खासकर युवा वर्ग लंबे समय तक गर्दन झुकाकर मोबाइल देखने या एक ही मुद्रा में बैठकर कंप्यूटर पर काम करने के कारण प्रभावित हो रहा है। लगातार गलत पोस्चर में बैठने से गर्दन और कमर पर दबाव बढ़ता है। कुछ मामलों में स्लिप डिस्क और नसों पर दबाव जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। ऐसे मरीजों को चलने-फिरने में परेशानी, दर्द और हाथ-पैर में दूसरी तकलीफें हो सकती हैं।

खाद्य तेलों में मिलावट और गुणवत्ता की जांच को लेकर गोदाम पर कार्रवाई

सोना सिक्का ब्रांड का 10,500 लीटर तेल जब्त, लाइसेंस भी नहीं मिला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

खाद्य तेलों में मिलावट और गुणवत्ता की जांच को लेकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने इंदौर में विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत बुधवार को मल्हारगंज और सियागंज में कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों से खाद्य तेल के कुल 11 नमूने जांच के लिए लिए, जबकि मल्हारगंज स्थित एक गोदाम से करीब 10,500 लीटर खाद्य तेल जब्त किया गया।

इसकी अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपए बताई गई है। कार्रवाई के दौरान मल्हारगंज स्थित एक गोदाम में खाद्य लाइसेंस भी उपलब्ध नहीं पाया गया। विभाग ने लिए गए सभी नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब लैब रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यह अभियान आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशन और कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। इसका फोकस दूसरे राज्यों और मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से इंदौर आने वाले खाद्य तेलों की गुणवत्ता की जांच और मिलावट की रोकथाम पर है।

मल्हारगंज के गोदाम में 9 सैंपल लिए, 21 लाख का स्टॉक जब्त- खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने श्री श्याम एंड श्याम ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड, मल्हारगंज स्थित गोदाम का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यहां सोना सिक्का ब्रांड मूंगफली तेल और कच्ची घानी मस्टर्ड ऑयल के अलग-अलग पैकिंग साइज मौजूद मिले। अधिकारियों ने दोनों प्रकार के खाद्य तेलों के कुल 9 नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। इसी दौरान प्रतिष्ठान पर आवश्यक खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया।

सियागंज में भी 2 तेलों के नमूने लिए- अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने शंकर महादेव ट्रेडर्स, मेन रोड, सियागंज का भी निरीक्षण किया। यहां से प्रीमियम रिफाइंड ग्राउंडनट ऑयल और गुलाब कोल्ड प्रेस्ड ग्राउंडनट ऑयल के नमूने लिए गए।

इंदौर में 103 साल पुरानी परंपरा के तहत अनंत चतुर्दशी पर

22 से ज्यादा झांकियां की तैयारी में कलाकार और कारीगर दिन-रात जुटे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में 103 साल पुरानी परंपरा के तहत अनंत चतुर्दशी पर 25 सितंबर की शाम 6 बजे से झांकियों का कारवां शुरू होगा। खास बात यह कि इस बार भी 22 से ज्यादा झांकियां तैयार की जा रही हैं।

मिल परिसरों में कलाकार और कारीगर दिन-रात जुटे हैं। कहीं अंतिम रंग-रोगन तो कहीं सजावट और रोशनी का काम चल रहा है। एक दिन पहले ही शहर में झांकियों को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लोगों के बीच चर्चा है कि इस बार झांकियों में क्या नया देखने को मिलेगा। पुरानी परंपरा के साथ इस बार भी नए विषय, नई सजावट और नए प्रयोग देखने को मिलेंगे।

इंदौर की अनंत चतुर्दशी सिर्फ झांकियों के निकलने का आयोजन नहीं, बल्कि शहर की सामूहिक स्मृतियों से जुड़ा उत्सव है। यही वजह है कि झांकियां निकलने से पहले ही इन्हें देखने का उत्साह मिल परिसरों तक पहुंच गया है। इस बार झांकियां तैयार होने के दौरान मुस्लिम बच्चियां भी मिल परिसर में इन्हें देखने पहुंचीं। तैयार हो रही झांकियां उनके लिए भी आकर्षण का केंद्र बनीं। यह दृश्य बताता है कि इंदौर की झांकी परंपरा को लेकर उत्सुकता अलग-अलग समुदायों के लोगों में भी दिखाई देती है।

शाम 6 बजे पहली झांकी, पुराना क्रम रहेगा कायम- 25 सितंबर को झांकियां शाम 6 बजे से निकलना शुरू होंगी। इस बार भी झांकियों का क्रम पूर्ववत रहेगा। सबसे पहले श्री खजराना गणेश मंदिर की झांकी निकलेगी। इसके बाद श्री शास्त्री कॉर्नर नवयुवक मंडल छोटा गणपति मंदिर चौराहा, इंदौर विकास प्राधिकरण, इंदौर नगर निगम, होप टेक्सटाइल (भंडारी मिल), कल्याण मिल, मालवा मिल, हुकुमचंद मिल, स्वदेशी मिल, राजकुमार मिल और स्पूतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी की झांकियां निकलेंगी।

पौराणिक कथाओं से सामाजिक संदेश तक की झलक- इस बार झांकियों में पौराणिक कथाओं से लेकर सामाजिक संदेश तक कई रंग देखने को मिलेंगे। अलग-अलग मिलों ने अपनी झांकियों के लिए अलग-अलग कथाओं और विषयों को चुना है। कहीं भगवान गणेश से जुड़ी पौराणिक कथा दिखाई जाएगी तो कहीं नारी शक्ति और नशामुक्ति का संदेश दिया जाएगा। बच्चों के मनोरंजन के लिए भी खास झांकी तैयार की गई है।

स्वदेशी मिल की 3 झांकियां

1. दुर्गा माता और महिषासुर वध
पहली झांकी में देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के वध का प्रसंग दिखाया गया है। यह झांकी धार्मिक थीम पर आधारित है।

2. सती को लेकर जाते भगवान शंकर
दूसरी झांकी भगवान शंकर द्वारा माता सती को ले जाने के प्रसंग पर आधारित है। इसे शिव पुराण से जुड़े प्रसंग के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

3. नशामुक्ति का संदेश
तीसरी झांकी धार्मिक कथाओं से अलग सामाजिक संदेश देती है। इसमें शराब के बहिष्कार और नशे से होने वाले नुकसान को दिखाया गया है।

जगन्नाथ जी की पहली रथ यात्रा- पहली झांकी भगवान जगन्नाथ की पहली रथ यात्रा के प्रसंग पर आधारित है। कथा के अनुसार सतयुग में जब मनुष्य भारी रथ को खींच नहीं पा रहे थे, तब जानवर आगे आए और रथ खींचने में सहायता की। झांकी में जानवरों के इस सहयोग और रथ यात्रा के उत्सव को दिखाया जाएगा।

खबर एक नजर...

पटवारी ने अपने और पत्नी के नाम कराई 51 जमीनें

खंडवा। खंडवा के कोलगांव में जमीनों का रिकॉर्ड संभालने वाले तत्कालीन पटवारी राजेश मंडलोई पर ग्रामीणों की जमीनें अपने और पत्नी मनीषा मंडलोई के नाम दर्ज कराने का आरोप है। रिकॉर्ड में दोनों के नाम 51 संपत्तियां दर्ज मिली हैं। इनमें घरों के बीच के आंगन, परिवारों के आने-जाने के रास्ते, खुली जमीन, समाज की जमीन और सरकारी चबूतरे तक शामिल बताए जा रहे हैं। मामला स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी की जमीनों की निशुल्क रजिस्ट्री शुरू होने के बाद सामने आया। सूची में पटवारी और उनकी पत्नी के नाम इतनी संपत्तियां मिलने पर ग्रामीणों ने रिकॉर्ड खंगाला। इसके बाद पूर्व सरपंच ने कलेक्टर और अधिकारियों से शिकायत की। जांच के बाद पटवारी को सस्पेंड कर दिया गया। पड़ताल में कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें ग्रामीणों का दावा है कि वे पीढ़ियों से जिन जगहों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वही जमीन रिकॉर्ड में पटवारी के नाम दर्ज हो गई।

बुंदेलखंडी लोकगीत से हनुमान अंश तक पहुंचे सुनील लोधी

भोपाल। मध्य प्रदेश के अगरा गांव के लोक गायक सुनील लोधी आज फिल्म हनुमान अंश के गीत मैंने तेरे ही भरोसे, हनुमान, सागर में नैया डाल दई... से पहचान बना रहे हैं। लेकिन, इस मुकाम तक पहुंचने की कहानी एक वायरल वीडियो से शुरू हुई थी। 2019 में उनके मामा रोहित साहू ने आंखों से दिव्यांग गायक सुनील का बुंदेलखंडी लोकगीत गाते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वीडियो वायरल होने के बाद सुनील को लगातार लोकगीत गाने के मौके मिलने लगे और उनकी आवाज बुंदेलखंड में पहचान बनाने लगी। मध्य प्रदेश के अगरा गांव में गायक सुनील लोधी के घर से करीब 6 किलोमीटर दूर तालचिर गांव में रहने वाले रोहित साहू को सुनील बचपन से ही मामा कहते थे। रोहित ने बताया कि जब उन्होंने सुनील के भीतर छिपी प्रतिभा को देखा तो उनके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करना शुरू कर दिया। लेकिन, साल 2019 में उन्होंने सुनील का एक बुंदेलखंडी लोकगीत का वीडियो बनाकर शेयर किया। इस वीडियो के बाद सुनील को बुंदेलखंडी गीत गाने के मौके मिलने शुरू हो गए।

पानी के बीच सूली सत्याग्रह, मुआवजा नहीं मिला तो बांध किनारे पहुंचे विस्थापित

पन्ना। सिंचाई परियोजना से विस्थापित हुए आदिवासियों और किसानों का 'चिता आंदोलन' बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। पन्ना जिले के मझगांय बांध परियोजना से प्रभावित लोग अब अपनी जमीनों और हक के लिए नए-नए तरीकों से विरोध जता रहे हैं। बुधवार को आंदोलनकारियों ने बांध के किनारे जलभराव के बीच 'सूली सत्याग्रह' करके प्रदर्शन किया। मझगांय बांध परियोजना का काम शुरू हुए 15 साल से ज्यादा का समय हो चुका है। अब पानी भरने से कई गांव डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं। इसके बावजूद प्रभावित परिवारों को अब तक न तो सही मुआवजा मिला है और न ही उनके रहने की कोई पक्की व्यवस्था हुई है। सरकारी नियमों के मुताबिक बांध में पानी भरने से पहले प्रभावितों का पुनर्वास पूरा होना चाहिए, लेकिन यहां काम अधूरा पड़ा है। पीड़ितों का कहना है कि प्रशासन संपत्तियों का सही आकलन करने और प्रभावितों की सही सूची बनाने में देरी कर रहा है। उल्टे अपनी मांग उठा रहे ग्रामीणों को नोटिस देकर आंदोलन दबाने की कोशिश की जा रही है।

अब मुंबई की बारी:ब्यावरा के बिट्टू तबाही ने छेड़ी अजनार से यमुना तक सफाई की जंग

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा का एक 21 वर्षीय युवा आज पूरे देश में स्वच्छता की नई अलख जगा रहा है। बीएससी सेकंड ईयर के छात्र सुरेंद्र सिंह चौधरी, जिन्हें सोशल मीडिया पर लोग बिट्टू तबाही के नाम से जानते हैं, नदियों को कचरा मुक्त करने की अनूठी मुहिम में जुटे हैं। शहर के बीच से गुजरने वाली अजनार नदी की बदहाली देखकर सुरेंद्र ने 26 जनवरी 2026 को इसे संवारने का संकल्प लिया। शुरूआत में दोस्त साथ थे, लेकिन बाद में वे अकेले रह गए। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपनी जमा-पूंजी लगाकर अकेले ही घाटों से गाद और कचरा साफ करना शुरू किया। लोगों को जागरूक करने के लिए उन्होंने बिट्टू तबाही नाम से सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किए, जिससे धीरे-धीरे युवा जुड़ते चले गए।

पहले लाठी-डंडों से पीटा, फिर चाचा-भतीजे को मारी गोली

दतिया। दतिया के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के मैथाना पाली गांव में बुधवार शाम गणेश विसर्जन के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चले। विवाद बढ़ने पर फायरिंग हुई, जिसमें चाचा-भतीजा घायल हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है। जानकारी के मुताबिक, घायलों की पहचान अजय यादव (28) और उनके चाचा वकील यादव (43) के रूप में हुई है। दोनों को इंदरगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से दतिया जिला अस्पताल रेफर किया गया। यहां उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया।

पूर्वी हिस्से में अति भारी बारिश का अलर्ट; 25-26 सितंबर को स्ट्रॉन्ग सिस्टम

मध्यप्रदेश के 10 जिलों में आज तेज बरसात होगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

विदाई से पहले मध्य प्रदेश में तेज बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय हो गया है। 25-26 सितंबर को ज्यादा असर रहेगा। इस दिन पूर्वी हिस्से के अधिकांश जिलों में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है।

गुरुवार को 10 जिलों में तेज बारिश का अनुमान है। प्रदेश में अब तक औसत 34.3 इंच बारिश हो चुकी है, जो कोटे की 91.9 प्रतिशत है। मौसम केंद्र के अनुसार- बंगाल की खाड़ी में विकसित हुआ अवदाब अब महत्वपूर्ण मौसमी सिस्टम के रूप में उभर रहा है। अगले 24 घंटे के बाद इसके स्ट्रॉन्ग होने की संभावना है।

इसके प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को छतरपुर, पन्ना, सतना, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा में भारी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, अनूपपुर, सागर, दमोह, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

मानसून की विदाई को 6 दिन बचे

एमपी में दक्षिण-पश्चिम मानसून का पीरियड 1 जून से 30 सितंबर तक है। यानी, मानसून की विदाई को छह दिन बचे हैं। इस बार भी सितंबर के आखिरी सप्ताह से विदाई होने लगेगी। राजस्थान के कई जिलों से मानसून लौट चुका है।

कई जिलों में तेज बारिश का दौर

इससे पहले बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का दौर रहा। भोपाल में रुक-रुककर कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हुई। नर्मदापुरम के इटारसी में आधे घंटे तेज बारिश हुई। खरगोन में आधे घंटे की तेज बारिश से अनाज मंडी में रखी करीब 200 क्विंटल मक्का भीग गईं। खंडवा, टीकमगढ़ समेत कई जिलों में बारिश रिकॉर्ड की गई।

23 जिलों में ज्यादा बारिश

अनूपपुर, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी में ही औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

रावण दहन शास्त्र सम्मत नहीं, इसकी आड़ में हो रहा ब्राह्मणों का अपमान

अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने आयोजक समितियों को भेजा पत्र, प्रथा बंद करने की मांग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने रावण दहन को शास्त्र विरुद्ध बताते हुए इस प्रथा को बंद करने की मांग की है। समाज का आरोप है कि रावण दहन की आड़ में नगर और देश भर में ब्राह्मणों का अपमान किया जा रहा है। इस संबंध में समाज ने रावण दहन उत्सव संचालित करने वाली समितियों को पत्र भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है।

अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अर्पित पुजारी और संगठन मंत्री किशन पाण्डेय ने रावण दहन समितियों से पूछा है कि वे करोड़ों सनातनियों को बताएं कि रावण दहन का उल्लेख किस शास्त्र में है। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि यह शास्त्र सम्मत है, तो ही इसका आयोजन करें। रावण द्वारा ऐसा कोई कृत्य नहीं किया गया कि उसे प्रत्येक वर्ष जलाया जाए।

पदाधिकारियों ने कहा कि देश में पूर्व में अंग्रेजों और मुस्लिमों ने भी ब्राह्मणों का अपमान कर उनकी शिखा और यज्ञोपवीत काटी थी। वर्तमान में सनातन धर्म की रक्षा करने वाली पार्टी भी इस प्रथा को रोकने में असमर्थ लग रही है। इस कारण देश में ब्राह्मणों के मान-सम्मान को ठेस पहुंच रही है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने देश की समस्त संस्थाओं से रावण दहन का आयोजन बंद करने का अनुरोध किया है।

तेजादशमी पर बेरछा में पंडाजी मांगीलाल शर्मा ने की भविष्यवाणी

श्राद्ध पक्ष और नवरात्रि में होगी अच्छी बारिश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नागदा।

तेजादशमी के अवसर पर ग्राम बेरछा स्थित नाग महाराज मंदिर में धार्मिक आयोजन हुआ। मंदिर में पंडाजी मांगीलाल शर्मा ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इसके बाद आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। पूजन और आरती के बाद पंडाजी मांगीलाल शर्मा ने आगामी समय को लेकर अपनी भविष्यवाणी बताई।

पंडाजी ने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र में बारिश की कमी बनी हुई है, लेकिन आगामी श्राद्ध पक्ष और नवरात्रि के दौरान बारिश होने की संभावना है। उनके अनुसार इस बारिश से वर्तमान में बारिश की जो कमी है, उसकी कुछ हद तक पूर्ति होगी और इसका लाभ आगामी रबी सीजन की गेहूं की फसल को मिलेगा।

उन्होंने किसानों को लेकर कहा कि आने वाले समय में लहसुन और प्याज के अच्छे भाव मिलने की संभावना है, जिससे किसानों को राहत मिल सकती है। वहीं उन्होंने सोने और चांदी के भाव में तेजी आने की भी भविष्यवाणी की।

पंडाजी ने आगामी दीपावली पर्व को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दीपावली के समय नक्षत्र योग अनुकूल नहीं हैं और इसका विपरीत प्रभाव देखने को मिल सकता है।

उन्होंने भारत में भूकंप आने की भी भविष्यवाणी की। इसके साथ ही कुंवार माह में कोरोना काल जैसी महिलाओं से संबंधित बीमारी फैलने की बात कही और कहा कि इसका उपचार मिलना कठिन हो सकता है। उन्होंने लोगों से ऐसी परिस्थितियों में भगवान महाकाल की शरण लेने तथा महाकाल का पूजन-अर्चन करने का आह्वान किया, ताकि आने वाली विपदा को टाला जा सके।

पंडाजी द्वारा बताई गई ये बातें धार्मिक परंपरा और उनकी व्यक्तिगत भविष्यवाणी के रूप में हैं। इनके वैज्ञानिक अथवा चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित होने का दावा नहीं किया गया है।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के विरोध में युवा कांग्रेस ने निकाला मार्च

2 हजार से अधिक के डिजिटल लेनदेन पर 0.40 प्रतिशत एमडीआर का विरोध, दी आंदोलन की चेतावनी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

केंद्र सरकार द्वारा 2 हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.40 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर शुल्क लगाने के प्रस्ताव के विरोध में उज्जैन जिला युवा कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने पैदल मार्च निकाल कर इस निर्णय को वापस लेने की मांग की।

पैदल मार्च शहीद पार्क से शुरू होकर इंदिरा गांधी प्रतिमा और टावर चौक होते हुए पुनः शहीद पार्क पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। प्रदर्शन के दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि 15 अक्टूबर से 2 हजार रुपये से अधिक के डिजिटल भुगतान पर 0.40 प्रतिशत शुल्क लागू करने से छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों पर सीधा अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कम मार्जिन में व्यापार करने वाले छोटे दुकानदारों का मुनाफा समाप्त हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि डिजिटल इंडिया के नाम पर पहले मुफ्त सेवाएं दी जाती हैं और बाद में शुल्क लगाकर जनता और व्यापारियों पर भार डाला जा रहा है। युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि यह निर्णय वापस नहीं लिया गया तो देशभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता अजित सिंह, चन्द्रभान सिंह चन्देल, ऋतुराज चौहान, संचित शर्मा, अर्पित दुबे, यश जैन, अर्जुन यादव, संदीप पवार, मुकेश यादव, योगेश दायमा, सैयद बिलाल, सौरव यादव, करण सूर्यवंशी, अमित शर्मा, मयूर तीनखेड़े, विकास मालवीय, तनिष्क जाट, अतुल चौहान, सावन चौहान, जुगल विश्वकर्मा, अली अजगर, महिला अध्यक्ष सीमा पटेल आदि युवा साथी एवं वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

महावीर तपोभूमि और शांतिनाथ मंदिर में उत्तम त्याग धर्म की हुई आराधना

त्याग के बिना आत्मशुद्धि संभव नहीं, अनासक्ति ही आत्मा की स्वतंत्रता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत शहर के जैन मंदिरों में विशेष आराधना जारी है। बुधवार को महावीर तपोभूमि और सेठी नगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम त्याग धर्म की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान संतों और विद्वानों ने त्याग और अपरिग्रह का महत्व बताते हुए कहा कि सच्चा त्याग बाहरी धन का नहीं, बल्कि भीतर के कषायों का होता है। त्याग के बिना आत्मशुद्धि संभव नहीं है।

महावीर तपोभूमि पर आचार्य विद्यासागर महाराज की शिक्षा और ब्रह्मचारिणी प्रभा दीदी के सानिध्य में 10 दिवसीय धार्मिक शिविर चल रहा है। बुधवार को प्रभा दीदी ने प्रवचन में कहा कि संसार में सबसे छोटा परमाणु होता है और सबसे बड़ा आकाश। यदि हम त्याग नहीं करते तो परमाणु से भी छोटे हो जाते हैं और त्याग करते हैं तो आकाश से भी बड़े कहलाते हैं। उन्होंने बताया कि औषधि, शास्त्र, अभय और आहार दान से कई गुना फल मिलता है। शिविर में अंजू दीदी और वासु भैया का विशेष सहयोग रहा। मोनिका सेठी ने भजन प्रस्तुत किए। समाज सचिव सचिन

कासलीवाल ने बताया कि शिविर में शांतिधारा का सौभाग्य राजेंद्र-रेखा लुहाड़िया और आहार दान का सौभाग्य देवेंद्र-जिनेंद्र सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ।

सेठी नगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि प्रणीत सागर महाराज के सानिध्य में उत्तम त्याग धर्म की पूजा हुई। मुनि प्रणीत सागर ने प्रवचन में कहा कि जो देता है वही देवता बनता है। त्याग ही जीवन है और संग्रह मृत्यु। सच्चा त्याग भीतर के क्रोध, मान, माया और लोभ का त्याग है। जिसने मान को छोड़ा, वही महान बना। इससे पूर्व भगवान का अभिषेक और शांतिधारा हुई। अभिषेक के पश्चात मुनि ने विद्यार्थियों को तत्वार्थ सूत्र के आठवें अध्याय बंध तत्व का वाचन कर भावार्थ समझाया। ट्रस्ट सचिव सुशील लुहाड़िया ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन दशलक्षण विधान, प्रवचन, महाविधान और ध्यान-प्रतिक्रमण किया जा रहा है। 23 सितंबर को पुण्यार्जक बृजकिशोर-मनोज जैन व धर्मेंद्र-त्रिशला मलैया और 24 को ममता-सुबोध जैन परिवार रहे।

---

70 बांग्लादेशियों के फर्जी पासपोर्ट का मामला

आरोपी गया प्रसाद को दबोचा, झूठा गवाह बनकर बनवाए थे पासपोर्ट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

स्पेशल टास्क फोर्स मध्य प्रदेश ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 70 फर्जी पासपोर्ट बनवाने के बड़े रैकेट में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसटीएफ भोपाल की टीम ने इस मामले में 6वें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गया प्रसाद गौतम पिता कच्ची राम निवासी बनवार चीनौर भितरवार ग्वालियर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पूर्व में जान-पहचान न होने के बावजूद पासपोर्ट बनवाने वालों के निवास पते की फर्जी तस्दीक (वेरिफिकेशन) करता था और गवाह के रूप में अपनी भूमिका निभाता था। ग्वालियर के

डबरा से बने सभी 17 पासपोर्ट में यह इकलौता गवाह है। एसटीएफ के अनुसार, आरोपी गया प्रसाद ने वर्ष 2019 में बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। इसके बाद वर्ष 2021-22 में वह अम्बेडकर पार्क, सिमरिया टेकड़ी (डबरा, ग्वालियर) में भंते के रूप में रहने लगा। स्थानीय निवासी होने के कारण उसने इसी दौरान वर्ष 2022 में बौद्ध भिक्षु संबंधी कार्यक्रम आयोजित कराया था।

एक ही पते पर दर्ज कराए गए फर्जी पासपोर्ट

जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने जिन भी लोगों के पासपोर्ट बनवाने में आपराधिक सहयोग किया, उन सभी में निवास स्थान के रूप में एक ही पताश्सिमरिया टेकड़ी, डबरा, जिला ग्वालियरश् दर्ज कराया गया था। बिना किसी पूर्व परिचय के भी आरोपी झूठा गवाह बनकर फर्जी पासपोर्ट जारी करवा रहा था।

इन गंभीर धाराओं में मामला दर्ज- एसटीएफ भोपाल के अपराध क्रमांक 09/2026 के तहत दर्ज इस प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (क्ढउ) की धारा 420, 465, 467, 468, 471 एवं 120-बी के अलावा धारा 12 (पासपोर्ट अधिनियम), धारा 14 (विदेशी विषयक अधिनियम) तथा धारा 17 (भारतीय नागरिकता अधिनियम) के तहत कार्रवाई की जा रही है।

नागर ब्राह्मण समाज की भागवत त्रिवेणी कथा का समापन, विजयशंकर मेहता ने दिए जीवन प्रबंधन के सूत्र

मृत्यु विषाद का नहीं आनंद का विषय, सफल होने के लिए कंफर्ट जोन से बाहर निकलें

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

नागर ब्राह्मण परिषद द्वारा आगर रोड स्थित महाकाल परिसर कोयला फाटक में आयोजित पितृ स्मृति भागवत त्रिवेणी कथा का गुरुवार को समापन होगा। अंतिम दिन जीवन प्रबंधन गुरु विजयशंकर मेहता ने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से जीवन प्रबंधन के सूत्र बताएंगे। उन्होंने कहा कि मृत्यु का आगमन विषाद नहीं, आनंद का विषय होना चाहिए। जिस दिन मृत्यु द्वार पर आए और हम उसके साथ पूरे होश में जाएं, तब समझना चाहिए कि मृत्यु की कला सीख ली।

विजयशंकर मेहता ने कहा कि सफल होने के लिए मनुष्य को अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना जरूरी है। भगवान कृष्ण ने गोकुल, वृंदावन और मथुरा में लीला करने के बाद द्वारिका बसाई और स्वधाम गमन किया। कृष्ण लगातार चले और कभी किसी सत्ता पर नहीं बैठे, लेकिन दुनिया की सारी सत्ताएं उनके कदमों में लोटती थीं। यह प्रसंग सिखाता है कि जीवन सतत संघर्ष का नाम है।

इससे पहले बुधवार को कथा के दूसरे दिन नृसिंह अवतार, समुद्र मंथन, रामकथा

और कृष्ण जन्म के प्रसंग सुनाए गए। विजयशंकर मेहता ने कहा कि धरती पर जब अन्याय, अत्याचार और पाप बढ़ते हैं, तो भगवान किसी न किसी रूप में प्रकट होकर भक्तों की रक्षा करते हैं। उन्होंने युवाओं को हनुमान से भरोसा, सेवा, निर्भयता, सक्रियता और सफलता के सूत्र सीखने की बात कही, साथ ही यह सजगता भी रखने को कहा कि परिश्रम नशा न बन जाए। आयोजक संस्था के अध्यक्ष विजय शर्मा ने बताया कि कृष्ण जन्म प्रसंग पर संगीत पार्षदों के भजनों पर श्रोता जमकर झूमे।

सिंहस्थ 2028 में भूखीमाता क्षेत्र में फिर लगेगा हनुमतधाम

व्यासपीठ से बताया गया कि जीवन प्रबंधन समूह ने सिंहस्थ 2016 में भूखीमाता क्षेत्र में अपना कैंप हनुमतधाम लगाया था। 2028 के सिंहस्थ के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इस बार भी भूखीमाता क्षेत्र में उसी स्थान पर हनुमतधाम स्थापित किया जाएगा। लव मेहता ने बताया कि समाज के वरिष्ठजनों ने नागर समाज की ओर से हनुमतधाम की सफलता में हरसंभव सहयोग का संकल्प लिया। आयोजन में नागर समाज महिला मंडल अध्यक्ष नेहा प्रतिमा मेहता, सीमा नागर, श्वेता रावल, ममता नागर, लव मेहता, युवा मंडल अध्यक्ष अमित नागर, गिरीश मेहता, मनीष मेहता, नरेंद्र नागर, राजीवलोचन नागर, संजय जोशी, संतोष जोशी, विजयप्रकाश मेहता, दिलीप मेहता, विशाल मंडलोई और विशाल नागर ने समाजजनों से धर्मलाभ लेने की अपील की थी।

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

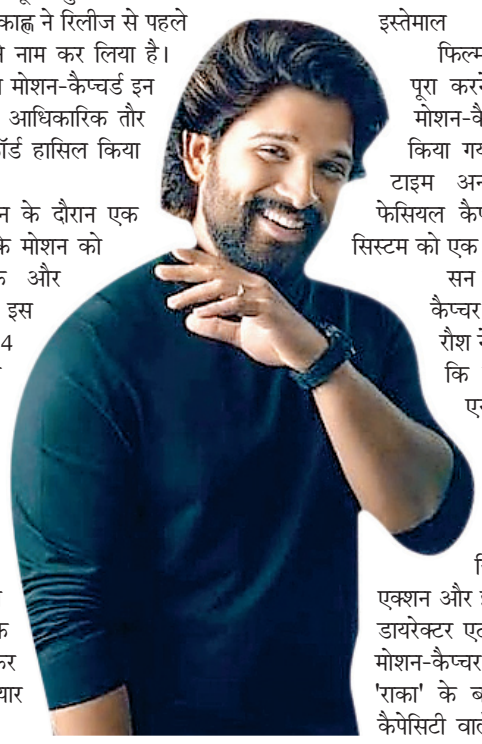

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर एटली की फिल्म ह्यराकाह्न ने रिलीज से पहले ही बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने 'मोस्ट पीपल मोशन-कैप्चर्ड इन रियल-टाइम' के लिए आधिकारिक तौर पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है।

एक सिंगल सेशन के दौरान एक साथ 37 कलाकारों के मोशन को रियल-टाइम में ट्रैक और कैप्चर किया गया। इस रिकॉर्ड प्रक्रिया में 4 साल के बच्चे से लेकर 70 साल के बुजुर्ग कलाकार तक शामिल थे।

इस बड़े पैमाने के सेटअप को तैयार करने के लिए मेकर्स ने लॉस एंजिल्स से आधुनिक तकनीक और उपकरण मंगवाकर भारत में अपना बेस तैयार किया था।

92 मोशन कैप्चर कैमरों का किया गया इस्तेमाल

फिल्म के मोशन कैप्चर सेशन को पूरा करने के लिए 92 ऑप्टिकल मोशन-कैप्चर कैमरों का इस्तेमाल किया गया। इसके साथ ही रियल-टाइम अनरियल विजुअलाइजेशन, फेसियल कैप्चर और एडवांस नेटवर्क सिस्टम को एक साथ सिंक किया गया था।

सन पिक्चर्स के वीडियो में मोशन कैप्चर टेक्निकल डायरेक्टर ब्रायन रौश ने बताया कि लोग समझते हैं कि सिर्फ एक बटन दबाने से एनीमेशन मिल जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। वहीं सिनेमैटोग्राफर जीके विष्णु ने बताया कि फिल्म में कई मोशन-कैप्चर कैरेक्टर हैं, जिनके बीच आपस में काफी एक्शन और इंटरेक्शन देखने को मिलेगा। डायरेक्टर एटली ने बताया कि भारत में मोशन-कैप्चर स्टेशन मौजूद थे, लेकिन 'राका' के बड़े विजन के लिए ज्यादा कैपेसिटी वाले सेटअप की जरूरत थी।

शाहरुख खान की नेटवर्थ 2,500 करोड़ कम हुई

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 में शाहरुख खान एक बार फिर देश के सबसे अमीर भारतीय अभिनेता बनकर उभरे हैं। हुरुन रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान की कुल संपत्ति 10,000 करोड़ रुपए दर्ज की गई है।

इस लिस्ट में 4,000 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ अमिताभ बच्चन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं एक्टर सलमान खान ने 3,000 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहली बार इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है।

इसके अलावा ऋतिक रोशन भी 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में बने हुए हैं। शाहरुख खान की कुल 10,000 करोड़ रुपए की संपत्ति में उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' और आईपीएल टीम 'नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स' का बड़ा योगदान है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में उनकी संपत्ति में थोड़ी गिरावट आई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में शाहरुख की नेटवर्थ 12,490 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। वहीं इस साल की शुरूआत में आई हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में उनकी कुल संपत्ति 10,800 करोड़ रुपए बताई गई थी। रिच लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद अमिताभ बच्चन की नेटवर्थ में पिछले साल के मुकाबले बड़ा सुधार देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ की संपत्ति पिछले साल के 1,630 करोड़ रुपए से बढ़कर इस साल 4,000 करोड़ रुपए हो गई है।

शाहरुख खान की तरह अमिताभ बच्चन सीधे तौर पर कोई बड़ा बिजनेस नहीं चलाते हैं। वे अपने फैमिली ऑफिस के जरिए से कई बड़ी कंपनियों और रियल एस्टेट सेक्टर में भारी इन्वेस्टमेंट्स करते हैं, जिससे उनकी संपत्ति में यह बढ़ोतरी दर्ज हुई है। सलमान खान ने इस साल 3,000 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में पहली बार एंट्री ली है। वहीं एक्टर ऋतिक रोशन की नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई है।

कटरीना की ट्रोलिंग के बाद भड़कीं परिणीति चोपड़ा

सलमान खान के बाद परिणीति चोपड़ा ने भी बच्चे को जन्म देने के बाद महिलाओं की बॉडी शेमिंग की आलोचना की। परिणीति ने पोस्टपार्टम बॉडी पर कमेंट करने वालों को अनपढ़ सोच वाला बताया।

परिणीति ने यह बात इंटरव्यू में कही। उनका बयान कटरीना कैफ के बेटे के जन्म के बाद बढ़े वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग के कुछ दिन बाद आया है। परिणीति ने कहा कि जब कोई पोस्टपार्टम यानी बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर पर कमेंट करता है, तो मुझे यह बिल्कुल अनपढ़ सोच लगती है। मेरा मतलब है, आप बाल कटवाते हैं तो आपके बाल छोटे हो जाएंगे। आप छुट्टियों पर जाते हैं तो वापस आने पर शरीर पर टैनिंग होगी। आप जिम जाते हैं तो एब्स बनेंगे। आपके शरीर पर इस बात के निशान दिखाई देंगे कि आपने क्या किया है। इन सभी चीजों को सेलिब्रेट किया जाता है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ह्यजब एक महिला एक बच्चे को जन्म देती है, तो उसके शरीर पर उस बदलाव के निशान को सेलिब्रेट नहीं किया जाता। आखिर इसमें नकारात्मक क्या है? अगर मैं किसी महिला को देखूं और उसके शरीर पर स्ट्रेच मार्क्स दिखाई दें, तो मैं कहूंगी, ओह माय गॉड, मुझे स्ट्रेच मार्क दिखाई दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा, क्या आपने बच्चे को जन्म दिया है? यह तो बहुत अच्छी बात है। आपका बच्चा कैसा है? मैं इसी नजरिए से इसे देखूंगी। अगर मैं आपके बालों को देखकर पूछ सकती हूं कि आपने नया हेयरकट कराया है?

सलमान खान के बयान पर विवेक ओबेरॉय का रिएक्शन

विवेक ओबेरॉय ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग को एक नेगेटिव एक्टिविटी बताया और लोगों से इससे बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि ट्रोलिंग के बजाय लोगों को पॉजिटिव एक्टिविटी पर फोकस करना चाहिए। दरअसल, बॉलीवुड क्रॉनिकल के साथ बातचीत के दौरान विवेक ओबेरॉय से पूछा गया कि सलमान खान ने ट्रोलिंग को लेकर बयान दिया है, इस पर आपका क्या कहना है? इसके जवाब में विवेक ने कहा, ह्लमुझे लगता है कि ट्रोलिंग नहीं करनी चाहिए। ट्रोलिंग एक नेगेटिव चीज है। जिंदगी में करने के लिए इतने पॉजिटिव काम हैं, तो नेगेटिव चीजों में क्यों पड़े हो?ह्व गौरतलब है कि सलमान खान और विवेक ओबेरॉय के बीच विवाद बॉलीवुड के सबसे चर्चित विवादों में गिना जाता है। दोनों के बीच तनाव की शुरूआत ऐश्वर्या राय से जुड़े रिश्ते को लेकर हुई थी। 2003 में विवेक ओबेरॉय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सलमान खान पर फोन करके धमकाने और परेशान करने के आरोप लगाए। विवेक के मुताबिक, सलमान ने उन्हें कई बार फोन किया था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विवाद काफी बढ़ गया और विवेक के मुताबिक उनके फिल्मी करियर पर भी इसका असर पड़ा। बाद के वर्षों में विवेक ने सलमान से माफी मांगने की कोशिश की।

सलमान खान ने ट्रोलिंग पर नाराजगी जताई सलमान खान ने हाल ही में टीवी शो बिग बॉस 20 में सोशल मीडिया ट्रोलिंग, बॉडी-शेमिंग और एज-शेमिंग पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा था कि सोशल मीडिया आज गेमिंग, कंटेंट क्रिएशन और वीडियो एडिटिंग जैसे क्षेत्रों में रोजगार और पहचान का जरिया बन चुका है, लेकिन इसका एक नकारात्मक पहलू ट्रोलिंग भी है।

सलमान ने सवाल उठाया था कि किसी दूसरे व्यक्ति को अपमानित करके पैसा कमाने की जरूरत क्यों पड़ती है। उन्होंने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर किसी के शरीर, वजन, लुक्स, परिवार, उम्र, मुस्कान, करियर या निजी जिंदगी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने ट्रोलर्स से पूछा था कि जिस व्यक्ति को वे गाली दे रहे हैं, वे नहीं जानते कि वह निजी तौर पर किन परिस्थितियों से गुजर रहा है। सलमान ने यह भी कहा था कि ट्रोलर्स को सोचना चाहिए कि उनके अपने परिवार के किसी सदस्य के बारे में ऐसी टिप्पणी की जाए तो उन्हें कैसा लगेगा। उन्होंने बताया था कि उन्हें भी सोशल मीडिया पर ह्यबूढ़ा हो गयाह्न जैसी टिप्पणियां सुनने को मिलती हैं। सलमान ने कहा कि 60 साल का होना स्वाभाविक है। इसके बाद उन्होंने शो के मंच पर अपनी टोपी, जैकेट और टी-शर्ट उतारकर अपने एब्स दिखाए थे।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

रंग भरकर चित्र बनाओ

जोक्स

टीचरः कौन सी जाति के लोग अच्छे नागरिक होते हैं ?
छात्रः बनिए !
टीचरः वो कैसे ?
छात्रः क्योंकि सर हर जगह लिखा होता है देश के अच्छे नागरिक बनिए।

मास्टर जीः सबसे ज्यादा नशा किसमें होता है?
छात्रः किताब में
मास्टर जीः कैसे?
छात्रः क्योंकि किताब खोलते ही नींद आ जाती है ??

वर्ग पहेली

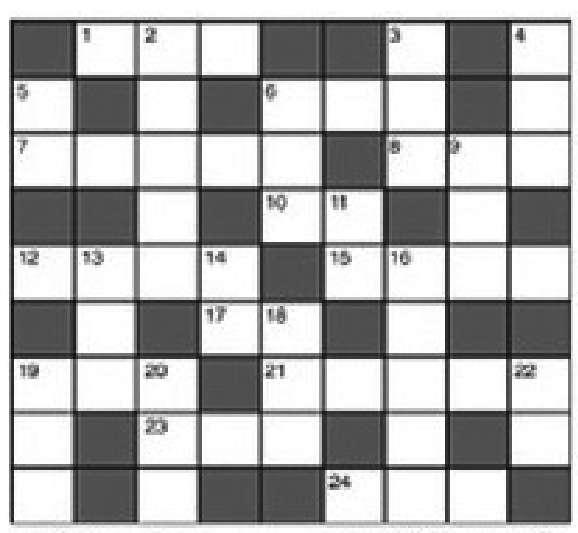

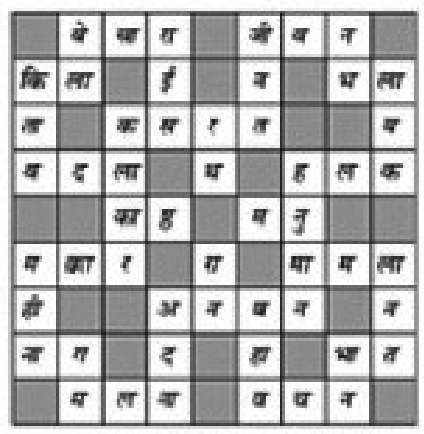

बाएं से दाएं

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खोज, गुस्सा-2

माथा पच्ची

25		25		10		1	= 40
15		10		3		15	= 0
35		10		29		15	= 31
40		2		10		20	= 10
=		=		=		=	=
45		23		10		10	= 19/23

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

शब्दजाल में करीना कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

ऐतराज, अशोका, चुप चुप के, दोस्ती, बेवफा, तलाश, अजनबी, मुझे कुछ कहना है, रीफ्युजी, ओमकारा.

अष्टयोग

1	6	7			2	
6	31		28	3	30	1
5		3	4			7
	27	4	26		39	
2			1	6		4
	34	6	35		40	
3	7			5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

29	+	77	-	47	+	61	= 120
+		-		+		-	
68	-	25	+	39	+	13	= 95
-		+		-		-	
25	x	5	÷	5	+	12	= 37
-		-		=		+	
31	+	20	-	44	x	7	= 49
=		=		=		=	
41	+	37	-	47	+	43	= 33

अष्टयोग का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	23	1	26	6	40	6
5	7	2	4	1	6	3
4	38	4	24	4	29	4
3	7	6	1	2	4	5
6	47	7	35	7	26	2
7	6	5	4	3	2	1

शब्दजाल का हल

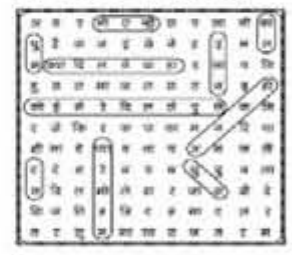

सूडोकू नवताल

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल ____ का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

पाकिस्तान ने 2 हजार पूर्व अफगान सैनिक भर्ती किए

कराची। बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों के बढ़ते हमलों से पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पर दबाव बढ़ रहा है। इनसे निपटने के लिए पाकिस्तान ने 2,000 पूर्व अफगान सैनिकों और पुलिसकर्मियों भर्ती किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें ज्यादातर वे अफगान सैनिक हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के साथ तालिबान के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। एक पूर्व अफगान सैनिक के मुताबिक, भर्ती हुए लोगों को हर महीने 40 हजार पाकिस्तानी रुपए, यानी करीब 13,807 भारतीय रुपए मिलते हैं। बलूचिस्तान में सुरक्षा ऑपरेशन चलाए जाने के बावजूद विद्रोही थानों, सरकारी दफ्तरों और हाईवे को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान की सुरक्षा और हिंसा से जुड़े मामलों पर रिसर्च करने वाली संस्था ढक्कर के मुताबिक, दो महीने में बलूचिस्तान में 172 हमले हुए। अकेले जुलाई में विद्रोही हमलों और सुरक्षा ऑपरेशन के दौरान 62 सुरक्षाकर्मी मारे गए। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नौश्की शहर में विद्रोहियों से नियंत्रण वापस लेने के लिए पाकिस्तानी सेना को हेलिकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल करना पड़ा।

खाने का तेल सस्ता होगा, सरकार ने कस्टम ड्यूटी घटाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाने के तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी घटा दी है। इससे देश में खाना पकाने का तेल सस्ता हो सकता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, नई दरें 24 सितंबर से लागू होंगी। सरकार ने क्रूड सोया और क्रूड पाम ऑयल पर शुल्क 10% से घटाकर 5% कर दिया है। रिफाइंड सोया और रिफाइंड पाम ऑयल पर ड्यूटी 32.5% से घटाकर 27.5% की गई है। क्रूड सूरजमुखी तेल पर शुल्क 10% से घटाकर शून्य कर दिया गया है। रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर कस्टम ड्यूटी 32.5% से घटाकर 22.5% कर दी गई है। इन कटौतियों से खाद्य तेलों की आयात लागत कम होने की उम्मीद है। इससे ग्राहकों को कीमतों में राहत मिल सकती है। हालांकि, ग्राहकों को मिलने वाली राहत इस बात पर निर्भर करेगी कि सप्लाई चेन में ड्यूटी कटौती का फायदा किस तरह आगे पहुंचाया जाता है।

तेलंगाना में बस में आग लगी, 39 यात्री सुरक्षित निकले; कोई घायल नहीं

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में श्रीशैलम जा रही एक बस में आग लग गई। हादसा करमनघाट हनुमान मंदिर के पास हुआ। अधिकारियों को घटना की सूचना बुधवार देर रात करीब 2:15 बजे मिली। बस में सवार सभी 38 यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। हादसे में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है।

पीएम मोदी आज वडनगर से वाराणसी तक जा रहे बाइकर्स से मिलेंगे

नई दिल्ली। पीएम मोदी गुरुवार को सेवा यात्रा के प्रतिभागियों से बातचीत करेंगे। यह मोटरसाइकिल रैली गुजरात के वडनगर से उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक जा रही है। यात्रा में शामिल बाइक सवार शहरों, जिलों और गांवों से गुजरते हुए स्थानीय लोगों से मिल रहे हैं और जरूरत के मुताबिक सेवा गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान यात्रा में शामिल 10 बाइक ग्रुप मौजूद रहेंगे। यह यात्रा सेवा, संपर्क, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक कल्याण, सांस्कृतिक जुड़ाव और समुदाय को जोड़ने जैसे पहलुओं को एक जगह ला रही है। दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी। ये रैलियां मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए निकाली जा रही हैं।

हर नाम हटाने का आधार सार्वजनिक करने की मांग

देहरादून। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस ने SIR के बाद जारी अंतिम मतदाता सूची की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए विधानसभा क्षेत्रवार जांच की मांग की है। पार्टी ने कहा कि राज्य में मतदाताओं की संख्या पिछली सूची के मुकाबले 21% से ज्यादा घट गई है। कांग्रेस ने हर नाम हटाए जाने का कानूनी और सत्यापन योग्य आधार सुनिश्चित करने को कहा है। अरुणाचल प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची मंगलवार को जारी हुई। इसमें 6.96 लाख मतदाता हैं। यह रक्फ से पहले की संख्या से 1.91 लाख कम है। अंतिम सूची में 3,43,709 पुरुष, 3,52,315 महिलाएं और दो थर्ड-जेंडर मतदाता शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा कि इतनी बड़ी कमी को देखते हुए चुनाव अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्रवार और श्रेणीवार आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए। पार्टी ने नाम जोड़ने और हटाने की संख्या के साथ, गोपनीयता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, नाम हटाने के व्यापक कारण भी सार्वजनिक करने की मांग की है।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी, बिजली लाइन कर्मचारी की मौत

मणिपुर। मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के एक गांव में बुधवार को हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना सुबह-सुबह लासन गांव में हुई, जिसमें बिजली लाइन कर्मचारी पाओंगम चोंगलोई की मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के हवाले से अधिकारियों ने बताया कि चोंगलोई बिजली लाइन की मरम्मत कर रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। उनके शव को कांगपोकपी जिला अस्पताल लाया गया।

ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका आ रहे थे, रास्ते में हांगकांग पहुंचे; पेंटागन ने जांच शुरू की

अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट के पार्ट्स चीन के हाथ लगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट एफ-35 के कुछ पार्ट्स चीन के हाथ लग गए हैं। ये पार्ट्स ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका भेजे जा रहे थे, लेकिन रास्ते में इनकी खेप हांगकांग पहुंच गई।मामले की जानकारी सामने आने के बाद पेंटागन ने जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के पास पहुंचे सामान में एफ-35 की कॉकपिट कैनोपी और हथियार रखने वाले हिस्से का दरवाजा शामिल है।

एफ-35 जॉइंट प्रोग्राम ऑफिस ने कहा है कि वह अमेरिकी अधिकारियों और इंडस्ट्री पार्टनर्स के साथ मिलकर इन पार्ट्स को वापस हासिल करने और घटना की जांच करने पर काम कर रहा है। साथ ही भविष्य में ऐसा दोबारा न हो इसके लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एफ-35 के ये पार्ट्स कुछ महीने पहले ऑस्ट्रेलिया से मरम्मत या नष्ट करने के लिए अमेरिका भेजे गए थे। रास्ते में शिपमेंट अचानक हांगकांग पहुंच गई। यह साफ नहीं है कि इसे वहां क्यों और कैसे डायवर्ट किया गया। हांगकांग चीन के नियंत्रण में है, इसलिए अमेरिकी अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू की है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने भी पार्ट्स के हांगकांग पहुंचने की पुष्टि की है। हालांकि, उनका कहना है कि ये संवेदनशील उपकरण नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया इस मामले में अमेरिका और एफ-35 बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन के संपर्क में है।

एफ-35 में स्टेल्थतकनीक, एडवांस्ड रडार और सेंसर जैसे कई सिस्टम हैं। इनकी जानकारी किसी देश को मिलना अमेरिका के लिए चिंता की बात हो सकती है।

एफ-35 की खासियत उसकी स्टेल्थतकनीक है। इससे विमान को रडार पर पकड़ना मुश्किल होता है। अगर चीन को इसकी डिजाइन और स्टेल्थतकनीक की जानकारी मिलती है, तो वह एफ-35 को पहचानने वाले रडार विकसित करने में इसका इस्तेमाल कर सकता है। एफ-35 के सेंसर आसपास के इलाके और दुश्मन की गतिविधियों की जानकारी जुटाते हैं। इन सिस्टम की तकनीक मिलने पर चीन यह समझ सकता है कि एफ-35 कैसे जानकारी जुटाता और दूसरे सैन्य सिस्टम से साझा करता है। पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले को लेकर अमेरिकी संसद में भी पूछताछ शुरू हुई है। चिंता यह है कि चीन को एफ-35 की बेहद गोपनीय तकनीक से जुड़े अहम हिस्सों तक पहुंच मिल सकती है। एफ-35 को अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान माना जाता है। यह पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थफाइटर जेट है। इसमें दुश्मन के रडार से बचने वाली तकनीक के साथ एडवांस्ड रडार, सेंसर और नेटवर्किंग सिस्टम लगे हैं।

चीन एफ-35 के खिलाफ हथियार और डिफेंस सिस्टम बेहतर कर सकता है

एफ-35 की क्षमताओं और कमजोरियों की जानकारी मिलने पर चीन अपने रडार, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम को बेहतर कर सकता है। इससे वह एफ-35 को पहचानने और ट्रैक करने की क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

एफ-35 सिर्फ अमेरिका के पास नहीं है। उसके कई सहयोगी देश भी इसका इस्तेमाल करते हैं। अगर इसकी संवेदनशील तकनीक लीक होती है, तो अमेरिका को अपने सॉफ्टवेयर, सेंसर और दूसरे सिस्टम अपडेट करने पड़ सकते हैं। जरूरी नहीं। कुछ पार्ट्स या तकनीकी जानकारी मिलने से पूरा विमान बनाना संभव नहीं होता। एफ-35 के डिजाइन, सॉफ्टवेयर और निर्माण प्रक्रिया की पूरी जानकारी अलग-अलग स्तर पर सुरक्षित होती है। इसके अलावा एफ-35 की तकनीक लगातार अपडेट होती रहती है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चीन के हाथ कौन-से पार्ट्स और कितनी जानकारी लगी। सामान्य पार्ट्स से खतरा सीमित हो सकता है। लेकिन सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर या डिजाइन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी ज्यादा अहम हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता किसी एक पार्ट के चीन तक पहुंचने की नहीं होगी। चिंता तब ज्यादा बढ़ेगी, जब चीन को एफ-35 की स्टेल्थक्षमता, सेंसर, रडार, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम या सॉफ्टवेयर से जुड़ी अहम जानकारी मिल जाए। इससे चीन एफ-35 के खिलाफ अपनी सैन्य तकनीक को बेहतर कर सकता है और अमेरिका की तकनीकी बढ़त को चुनौती मिल सकती है।

एफ-35 की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्टेल्थ तकनीक है। यह विमान को रडार पर आसानी से पकड़ में आने से बचाती है। रडार विमान की तरफ रेडियो तरंगें भेजता है। ये तरंगें विमान से टकराकर वापस आती हैं, जिससे रडार को उसकी मौजूदगी का पता चलता है। एफ-35 को इस तरह डिजाइन किया गया है कि तरंगें सीधे रडार की तरफ वापस जाने के बजाय दूसरी दिशाओं में बिखर जाएं। इसके अलावा विमान की सतह पर रडार-एब्जॉर्बिंग खास सामग्री/कोटिंग का इस्तेमाल किया जाता है। यह रडार से आने वाली कुछ ऊर्जा को सोख लेती है, जिससे वापस जाने वाला सिग्नल और कमजोर हो जाता है। एफ-35 में हथियार भी बाहर लटकाने के बजाय विमान के अंदर रखे जाते हैं। इससे रडार पर विमान का सिग्नल और कम करने में मदद मिलती है।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रिसीव करने गए, आज रात व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। शी के साथ भी उनकी पत्नी पेंग लियुआन मौजूद रहीं।

किसी विदेशी नेता के स्वागत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधे एयरपोर्ट जाना आम नहीं है। आज रात व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में स्टेट डिनर होगा। इसके बाद ट्रम्प-जिनपिंग के बीच द्वपक्षीय बातचीत होगी। इसमें व्यापार, टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), ताइवान और रूस से जुड़े मुद्दे शामिल हो सकते हैं। अमेरिका और चीन के बीच सबसे बड़ा मुद्दा ट्रेड और टैरिफ है। पिछले साल ट्रम्प के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिका के सामान पर बड़े टैक्स लगाए थे। अब दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर लगे टैक्स को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। करीब 30-30 अरब डॉलर के सामान पर टैरिफ घटाने और ऊर्जा व कृषि उत्पादों पर टैक्स कम करने को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों देशों के बीच टैरिफ कम रखने की मौजूदा सहमति 10 नवंबर को खत्म हो रही है। ऐसे में दोनों देश इस सहमति को आगे बढ़ाने के साथ ही टैरिफ में और कटौती के रास्ते तलाश रहे हैं।

अक अब अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी मुकाबले का बड़ा मुद्दा बन गया है। दोनों देशों के बीच विवाद इस बात को लेकर है कि एआई की सबसे ताकतवर तकनीक और मॉडल किसके पास रहेंगे और उनका इस्तेमाल कितना सुरक्षित होगा। अमेरिका को चिंता है कि उसकी एआई तकनीक और मॉडल चीन तक पहुंच सकते हैं। इसलिए अमेरिका ने चीन को अकचिप और दूसरी जरूरी तकनीक देने पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। अमेरिका चीन की एआई कंपनियों को लेकर भी सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं जताता रहा है।

जिनपिंग ट्रम्प से बार-बार क्यों मिल रहे हैं?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जिनपिंग अमेरिका के साथ रिश्ते बिगड़ने से बचने के लिए ट्रम्प से सीधे बातचीत जारी रखना चाहते हैं। गुरुवार की मुलाकात एक साल से भी कम समय में दोनों नेताओं की तीसरी मुलाकात होगी। इन बैठकों में अब तक कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ है, लेकिन दोनों नेताओं के बीच बातचीत जारी है। इस साल 2 और मौके पर दोनों की मुलाकात हो सकती है। नवंबर में चीन के शेनझेन में APEC समिट और दिसंबर में अमेरिका के मियामी में जी 20 समिट के दौरान भी दोनों की मुलाकात हो सकती है। एपीईसी समिट में ट्रम्प, जिनपिंग और पुतिन की त्रिपक्षीय बैठक भी हो सकती है। अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होता है तो इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। सबसे बड़ा असर ट्रेड और सप्लाई चेन पर होगा। अगर दोनों देश टैरिफ घटाते हैं तो चीन-अमेरिका के बीच कारोबार बढ़ सकता है और दुनियाभर की कंपनियों के लिए सप्लाई चेन में बदलाव आ सकता है।

रूस से तेल भी बड़ा मुद्दा है। अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे रहा है। चीन रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदता है और भारत भी रूसी तेल खरीदता है। इसलिए ट्रम्प-जिनपिंग की बातचीत में रूस पर अमेरिकी दबाव कम होता है या बढ़ता है, इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। एआई और चिप्स का मामला भी भारत के लिए अहम है। अमेरिका और चीन के बीच टेक्नोलॉजी की होड़ में अगर नियम बदले तो अकचिप, सेमीकंडक्टर और दूसरी तकनीक की ग्लोबल सप्लाई प्रभावित हो सकती है। भारत इन दोनों देशों से कारोबार करता है, इसलिए इसका असर भारतीय कंपनियों तक भी पहुंच सकता है।

ट्रम्प से विवाद के बीच मेलोनी यूएन महासभा नहीं जाएंगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी इस साल संयुक्त राष्ट्र महासभा की हाई लेवल बैठक में शामिल नहीं होंगी। उन्होंने इसकी वजह बिजी शेड्यूल बताई है।

करीब 15 साल बाद पहली बार इटली का प्रधानमंत्री UNGA की सालाना हाई लेवल बैठक में शामिल नहीं होगा। मेलोनी की जगह विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी वठऋअ में इटली का प्रतिनिधित्व करेंगे। मेलोनी के न्यूयॉर्क नहीं जाने से उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से आमने-सामने मुलाकात भी नहीं होगी। इस साल जून में जी 7 समिट में दोनों के बीच विवाद बढ़ गया था। ट्रम्प ने कहा था कि मेलोनी उनके साथ फोटो के लिए बेताब थीं। इस पर मेलोनी ने जवाब दिया था, मुझे इसके लिए गिड़गिड़ाने की जरूरत नहीं हैं। ईरान के मुद्दे पर भी ट्रम्प और मेलोनी के रुख में अंतर रहा। मेलोनी ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का खुलकर समर्थन नहीं किया था। इसके बाद ट्रम्प ने सार्वजनिक तौर पर उनके रुख की आलोचना की थी।

मैक्रों बोले-गाजा के हालात दुनिया के लिए शर्म की बात

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में शांति को लेकर किए जा रहे दावों पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में उन्होंने कहा कि गाजा की मौजूदा स्थिति पूरी दुनिया के लिए शर्म की बात है।

मैक्रों ने कहा कि वहां के लोग अब भी पानी, दवाइयों और राहत सामग्री के लिए जूझ रहे हैं, इसलिए सिर्फ शांति का दावा करने से हालात नहीं बदलते। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के कुछ घंटे बाद आई, जिसमें कहा गया था कि गाजा का युद्ध खत्म हो चुका है और उनकी 20 सूत्रीय शांति योजना सफल रही है। मैक्रों ने कहा कि इसी वठ महासभा में कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। उस समय भी कुछ लोगों ने कहा था कि सिर्फ मान्यता देने से जमीन पर हालात नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा कि अगर आज भी गाजा के लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुईं और दुनिया कुछ नहीं कर रही, तो फिर फिलिस्तीन को मान्यता देने का मतलब क्या रह जाता है।

मैक्रों के बयान के बाद व्हाइट हाउस ने ट्रम्प का बचाव किया। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ऐना कैली ने कहा कि ट्रम्प ने इजराइल और हमास के बीच युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सभी जीवित बंधकों को रिहा कराया गया और मारे गए बंधकों के शव भी उनके परिवारों तक पहुंचाए गए। उनके मुताबिक, ट्रम्प अब गाजा में अपनी 20 सूत्री शांति योजना को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

एक समुद्र में कूदा; ईरान के खिलाफ 300 से ज्यादा दिन तैनात था

युद्धपोत लिंकन के 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी युद्धपोत वरर अब्राहम लिंकन के स्ट्राइक ग्रुप में शामिल 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की। इनमें एक नौसैनिक जहाज से समुद्र में कूद गया था, उसे नौसेना के रेस्क्यू हेलिकॉप्टर ने बचाया।

एक दूसरे सैनिक ने भी समुद्र में कूदने की कोशिश की थी लेकिन उसके साथियों ने उसे कूदने से पहले रोक लिया।

ये घटनाएं तब हुईं, जब वरर लिंकन 300 दिन से ज्यादा समय से समुद्र में तैनात था और ईरान के खिलाफ अमेरिकी मिशन में शामिल था। अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड को भेजे पत्र में इसकी जानकारी दी। वरर अब्राहम लिंकन पर करीब 5,000 नौसैनिक तैनात हैं। यह जहाज 300 दिन से ज्यादा समय तक समुद्र में रहा। हाल ही में इसने बिना किसी बंदरगाह पर रुके सबसे लंबे समय तक समुद्र में रहने का अमेरिकी नौसेना का रिकॉर्ड बनाया। इस महीने की शुरूआत में वरर अब्राहम लिंकन 5 दिन के लिए थाईलैंड के पटाया में रुका था। यहां नौसैनिकों ने आराम किया था।

सैनिकों की हालत पर जानकारी मांगी गई थी

डेमोक्रेट सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने जहाज पर तैनात सैनिकों की स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नौसेना से जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में नौसेना ने उन्हें यह पत्र भेजा।

गिलिब्रैंड ने कहा कि इन घटनाओं से पता चलता है कि वरर लिंकन पर तैनात सैनिकों के हालात गंभीर थे। बढ़ते समय के साथ हालात और खराब हो रहे थे।

न्यूयॉर्क में अमेरिका-ईरान के बीच 3 घंटे बातचीत, ट्रम्प बोले- फिर मिलेंगे

ईरान की शर्त- अमेरिका दबाव घटाए तो होर्मुज खोलने तैयार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ न्यूयॉर्क

यूएन जनरल असेंबली के दौरान मंगलवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई।

इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हुए। कतर के अधिकारियों ने इसकी मध्यस्थता की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि बातचीत अच्छी रही और दोनों पक्षों की जल्द ही एक और बैठक होगी।

द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव कम करने के लिए कदम उठाता है तो ईरान 7 दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बातचीत के बाद कहा कि उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों से सीधे मुलाकात नहीं की। बातचीत में ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल रहे।

विटकॉफ के मुताबिक, वठ जनरल असेंबली के दौरान दोनों पक्षों के बीच बातचीत मध्यस्थों के जरिए हुई। मध्यस्थ पूरे दिन अमेरिका और ईरान के बीच संदेश लेकर आते-जाते रहे।

उन्होंने बताया कि बातचीत का एक दौर पूरा हो चुका है और मध्यस्थ आगे भी दोनों पक्षों के बीच काम जारी रखेंगे।

ट्रम्प की ईरान को धमकी- 'डील करो, नहीं तो तबाह कर दूंगा'

ट्रम्प ने मंगलवार को यूएन में ईरान को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अब दो रास्ते हैं, अमेरिका के साथ डील करे या फिर गंभीर सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान के साथ समझौता नहीं हुआ और संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका ईरान को तबाह कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सामने शांति समझौते या दोबारा सैन्य कार्रवाई का विकल्प है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अपनी ताकत के जरिए शांति कायम करना चाहता है। उन्होंने ईरान से बातचीत की मेज पर लौटने और होर्मुज को पूरी तरह खोलने की मांग भी की। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोलने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने की शर्तें बताईं

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोलने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने इन शर्तों को रखा।

ईरान की मांग है कि अमेरिका तुरंत नौसैनिक नाकाबंदी हटाए, विदेशों में फ्रीज की गई ईरानी संपत्तियां जारी करे। साथ ही लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करे

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल शिपिंग रूट में से एक है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाले इस जलमार्ग से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस का परिवहन होता है।

■ वर्ष-12 अंक-321 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल

मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

सालस्यो गर्वितो निद्रः परहस्तेन लेखकः।
अल्पविद्यो विवादी च षडेते आत्मघातकाः।।

भावार्थ : आलसी, अभिमानी, बहुत अधिक सोना, अजनबियों के साथ लिखना, थोड़ा सीखना और बहस करना ये छह आत्महत्याएं हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, बृहस्पतिवासरः 24 सितम्बर, 2026

कुलं छलं धनं चैव रुपं यौवनमेव च।
विद्या राज्यं तपश्च एते चाष्टमदाः स्मृताः।।

भावार्थ : कुल, छल, धन, रुप, यौवन, विद्या, अधिकार, और तपस्या ये आठ मद हैं।

सम्पादकीयम्

ब्रिक्सस्य आतिथ्यं

सीमायां शान्तिस्थिरतायां द्वयोः राष्ट्रयोः साझीकृता रुचिः अस्ति। एषा यात्रा अपि महत्त्वपूर्णा अस्ति यतोहि भारते सेप्टेम्बरमासे ब्रिक्स-शिखरसम्मेलनस्य आतिथ्यं भविष्यति, यस्मिन् कार्यक्रमे शी जिनपिङ्गः उपस्थितः भविष्यति इति अपेक्षा अस्ति। गतवर्षे अगस्तमासस्य अन्ते पीएम मोदी इत्यस्य एससीओ-शिखरसम्मेलनार्थं चीनदेशस्य तियानजिन्-नगरस्य यात्रा-तथा च शी-सह-समागमेन-द्विपक्षीयसम्बन्धानां गतिं प्रदातुं साहाय्यं कृतम्। तस्मिन् समये उभौ नेतारौ पुनः उक्तवन्तौ यत् भारतं चीनं च विकासे भागीदारौ स्तः, परस्परं मतभेदाः विवादरूपेण न वर्धनीयाः-एषा भावना अद्यत्वे सत्या अस्ति। अमेरिकीदबावः-वर्तमानभूराजनीतिकपरिदृश्यं दृष्ट्वा जयशङ्करस्य मास्को-भ्रमणस्य अपि महत्त्वं वर्तते। सः सोमवासरे रूसस्य राष्ट्रपतिः व्लादिर्मी पुटिन् इत्यनेन सह मिलितवान्, अग्रिमे च स्वसमकक्षेण सह मिलितुं निश्चितः अस्ति। एतेषां चचानां कार्यसूची व्यापारः ऊर्जा च वैश्विकविषयेषु यावत् अस्ति। नवीनदिल्ली-मास्को-योः सम्बन्धेषु अमेरिकादेशस्य दबावः निरन्तरं भवति। युक्रेनयुद्धस्य जटिलतां पश्चिम एशियायाः स्थितिं च दृष्ट्वा अग्रे कूटनीतिकचुनौत्यं अधिकं भवितुम् अर्हति। चुनौतीपूर्णाः परिस्थितयः तियानजिन्-नगरस्य मोदी-शी, जिनपिङ्ग-इत्यादीनां चित्राणि पूर्वं वैश्विकं ध्यानं आकर्षितवन्तः आसन्, विशेषतः अमेरिकादेशस्य। तस्मिन् समये ट्रम्प-प्रशासनं शुल्कयुद्धं कुर्वन् आसीत्। अद्यत्वे वैश्विकं परिदृश्यं तस्मादपि जटिलं वर्तते; अमेरिका-देशः शुल्कस्य उपयोगं साधनरूपेण निरन्तरं कुर्वन् अस्ति, ऊजार्संकटः च अद्यापि वर्तते।

सिन्धियादेशस्य ग्वालियर-कार्यक्रमे कृष्णध्वजानां विषये कोलाहलः

पादप्रहारस्य, मुष्टिप्रहारस्य, उड्डयन कुर्सीनां च अनन्तरं पुलिस हस्तक्षेपं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ग्वालियर

ग्वालियरस्य गिरवाईक्षेत्रे कुशवाहासमुदायस्य कृते छात्रावास-सह-सामुदायिककेन्द्रस्य भूमिपूजनसमारोहे केन्द्रीयमन्त्री ज्योतिरादित्यसिन्दिया इत्यस्य सम्बोधने सोमवासरे विरोधस्य, हंगामे च स्थितिः उत्पन्ना। केचन युवानः नारान् उत्थाप्य कृष्णध्वजान् च प्रदर्शितवन्तः। आयोजकानाम् आन्दोलनकारिणां च विवादः द्वन्द्वरूपेण परिणतः, कुर्सीः क्षिप्ताः। पुलिस घटनास्थले आगत्य आन्दोलनकारिणः आयोजनस्थलात् दूरीकृत्य, केचन युवानः प्रश्नार्थं पुलिसस्थानम् नीतवन्तः। सामाजिकमाध्यमेषु अपि अस्य घटनायाः एकः भिडियो प्रसारितः अस्ति।

सम्बोधनस्य आरम्भे नारा-घोषणेन विवादः वर्धते सिन्धिया मुख्यातिथिरूपेण आयोजने उपस्थिता आसीत्। प्रत्यक्षदर्शिनां मते सः सम्बोधनं आरब्धवान् एव अग्रपङ्क्तौ उपविष्टाः केचन युवानः नारा-प्रहारं कर्तुं आरब्धवन्तः। ते कृष्णध्वजान् धारयन्ति स्म इति समाचाराः सूचयन्ति। राजनीतिः न सह्यते, समुदायस्य विभाजनं त्यजतु इत्यादयः नाराः आन्दोलनकारिभिः उक्ताः इति कथ्यते।

केषाञ्चन समाचारानुसारं सिन्डिया मुख्यातिथिरूपेण आमन्त्रिता इति आक्षेपकारिणः आक्षेपं कृतवन्तः। विरोधप्रदर्शने सहभागी इति चिह्नितः हरिओम कुशवाहा मीडियासमूहेभ्यः अवदत् यत् छात्रावासस्य कृते आवंटिता भूमिः कुशवाहा समुदायस्य अस्ति; अतः समुदायस्य नेतारं जनप्रतिनिधिं च प्राथमिकता दातव्या आसीत्। एतेन तेषां आरोपस्य दृष्टिकोणस्य च प्रतिनिधित्वं भवति।

पुलिसः आन्दोलनकारिणः निष्कासयति इति कारणेन समूहानां मध्ये संघर्षः नाराघोषस्य, कृष्णध्वजप्रदर्शनस्य च अनन्तरं अन्ये उपस्थिताः विरोधस्य आक्षेपं कृतवन्तः। यथा यथा स्थितिः क्षीणतां गच्छति स्म तथा तथा आयोजकाः, पुलिस च विरोधं कुर्वन्तः युवानः आयोजनस्थलात् दूरीकर्तुं प्रयतन्ते स्म। अस्मिन् क्रमे द्वयोः समूहयोः मध्ये विवादः, शारीरिकविवादः च अभवत्।

प्रत्यक्षदर्शिनां विवरणानि उपलब्धानि च भिडियानि च पुष्टिं कुर्वन्ति यत् विवादस्य समये पादप्रहारस्य आदानप्रदानं, कुर्सीः च क्षिप्ताः। स्थितिं नियन्त्रणे आनेतुं पुलिसैः हस्तक्षेपः कृतः, केचन युवानः गिरवाईपुलिसस्थानम् नीताः। परन्तु घटनानां पूर्णक्रमस्य वा तत्र सम्बद्धानां भूमिकायाः विषये पुलिसैः विस्तृतं आधिकारिकं वक्तव्यं न जारीकृतम्। फलतः केन पक्षेण हिंसा आरब्धा इति विषये परस्परविरोधिनः दावाः सन्ति।

सिन्दिया मञ्चात् सम्बोधनं निरन्तरं कृतवान् कोलाहलस्य मध्ये सिन्धिया मञ्चात् कार्यक्रमं निरन्तरं कृतवती। समाचारानुसारं सः निदेशं दत्तवान् यत् यावत् आयोजनं प्रचलति तावत् आन्दोलनकारिणः स्वस्य असहमतिं प्रकटयितुं शक्नुवन्ति। आन्दोलनकारिणां, प्रेषितस्य च नामानि लिखितानि इति अपि सः अवदत्।

किञ्चित्कालं यावत् मञ्चस्य पुरतः अराजकस्थितिः प्रचलति स्म। पुलिस-आयोजकयोः हस्तक्षेपस्य अनन्तरं आन्दोलनकारिणः आयोजनस्थलात् निष्कासिताः। आमन्त्रितानां विषये प्रश्नाः विवादस्य अन्यः पक्षः आयोजने आमन्त्रितानां जनप्रतिनिधिनां विषये अस्ति। समाचारानुसारं मध्यप्रदेशसर्वकारस्य मन्त्री नारायणसिंहकुशवाहः उपस्थितः आसीत्, तत्रैव ग्वालियरस्य सांसदभारतसिंहकुशवाहं प्रति प्रदत्तस्य आमन्त्रणस्य विषये प्रश्नाः उत्थापिताः आसन्। मीडियासमूहेन सह वदन्तः विरोधसमूहेन सह सम्बद्धाः व्यक्तिः तर्कयन्ति स्म यत् कुशवाहसमुदायस्य अन्येषां जनप्रतिनिधिनां अपि सामुदायिककार्यक्रमे समावेशः आसीत्।

सीएम टोप-र्ग्यः

स्कूटर-उपहारं करोति; छात्राः आनन्दिताः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

राज्यस्य सर्वकारीयविद्यालयेभ्यः पुण्यशीलछात्रान् प्रोत्साहयितुं मुख्यमन्त्री डॉ. मोहन यादवः राजधानीसुभाषउत्कृतविद्यालये ई-स्कूटरवितरणं कृतवान्। राज्यस्य सर्वेभ्यः ७५०० तः अधिकेभ्यः टॉपरेभ्यः स्कूटर-यानानि प्रदत्तानि सन्ति। पेट्रोलस्कूटरस्य कृते प्रायः 90,000, ई-वाहनानां कृते 1.20 लक्षपर्यन्तं च आर्थिकसहायता प्रदत्ता अस्ति। सीएम मोहन यादवः अवदत् यत् एषा केवलं आर्थिकसाहाय्यं न अपितु सरकारीविद्यालयेभ्यः छात्राणां प्रतिभां आत्मविश्वासं च वर्धयितुं सर्वकारस्य प्रतिबद्धता अस्ति।

७,५०० टॉपर्स् कृते स्कूटर्स् पेट्रोलस्य ई-वाहनस्य च मध्ये विकल्पः मुख्यमन्त्री डॉ. मोहन यादवः अवदत् यत् योजनायाः अन्तर्गतं विभिन्नेषु सरकारीविद्यालयेषु शीर्षस्थानं प्राप्तवन्तः ७५०० तः अधिकाः छात्राः स्कूटराः प्रदत्ताः सन्ति। पेट्रोलवाहनानां कृते प्रायः ९०,०००, ई-वाहनानां कृते १.२० लक्षपर्यन्तं च राशिः प्रदत्ता अस्ति। सर्वकारस्य उद्देश्यं केवलं सुविधां न प्रदातुं, अपितु छात्राणां प्रगतिः कर्तुं, स्वक्षमतायाः उत्तमं उपयोगं कर्तुं च प्रोत्साहयितुं वर्तते।

ग्रामीणग्राहकाः असुविधायाः सामनां कर्तुं शक्नुवन्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

प्रत्येकं व्यवहारे शुल्कस्य आरोपणं विक्रेतृणां नियतमार्जिनं प्रभावितं करिष्यति। संघः टिप्पणीं करोति यत् विक्रेतारः पूर्वमेव क्रेडिट् काड्र्व्यवहारेषु व्यापारिकशुल्कं ददति; यूपीआई-देयतायां शुल्कस्य प्रयोगः इदानीं तेषां कृते अतिरिक्तं वित्तीयभारं जनयिष्यति। यूपीआई-देयता-विषये टोपी अधिकतया प्रत्यक्षतया तेषां ग्राहकानाम् प्रभावं कर्तुं शक्नोति ये पेट्रोल-पम्पेषु बृहत्-राशिं दातुं डिजिटल-मोड्-उपयोगं कुर्वन्ति। ग्राम्यक्षेत्रेषु लघुनगरेषु च यूपीआई-देयता-प्रयोगः तीव्रगत्या वर्धितः अस्ति। संघस्य सदस्यैः चिन्ता प्रकटिता यत् पर्याप्तनगदस्य अभावेन ग्राहकाः २,००० तः अधिकं भुक्तिं कुर्वन्तः कष्टानां सामनां कर्तुं।

राशिफल

मेष : आज के दिन मेष राशि के लोगों को परिवार का भरपूर सपोर्ट मिलेगा। आज जल्दबाजी में खरीदारी करने से बचना चाहिए।

वृषभ : सेहत के मामले में छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं। स्किल्स और टैलेंट कठिन से कठिन टास्क को भी आसान बना देगी।

मिथुन : लंबे समय से परेशान कर रही कोई समस्या जल्द ही दूर होने वाली है। कमाई के अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

कर्क : आज इन्वेस्ट करने के लिए अच्छा दिन है। बचपन के किसी दोस्त के साथ मुलाकात होने की संभावना है।

सिंह : आज सिंह राशि वाले कमाई बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित करके अच्छा प्रॉफिट पा सकेंगे।

कन्या : आज लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह अच्छा दिन रहेगा। बहुत ज्यादा ऑयली खाना खाने से बचें।

तुला : आज अपना बैग पैक करें और रोमांचक यात्रा पर निकल पड़ें। बड़े-बुजुर्गों की सलाह को नजरअंदाज न करें।

वृश्चिक : बिजनेस करने वालों को अपने खर्चों के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए। एक्टिव रखने से आप तरोताजा महसूस करेंगे।

धनु : आज धनु राशि वालों के लिए पैसों के मामले में एक्सपर्ट की सलाह लाभदायक साबित हो सकती है।

मकर : आज मकर राशि वालों को पॉजिटिव सोच अपनाने से सेहत के मामले में फायदा हो सकता है।

कुंभ : भाग्यशाली लोगों को वह डील मिल सकती है, जिसका आप इंतजार कर रहे थे। रोमांटिक रिश्ता मजबूत होगा।

मीन : गॉसिप आज अच्छा ऑप्शन नहीं है। परिवार के किसी बुजुर्ग की सलाह आपको घरेलू दिक्कत से उबरने में मदद करेगी।

ज्योतिष/वास्तु

सूर्य गोचर 2026 : तुला राशि में गोचर करेंगे सूर्य, कैसा रहेगा मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर प्रभाव?

17 अक्टूबर को सूर्य कन्या राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए तुला राशि में प्रवेश करेंगे। आइए जानते हैं मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर कैसा रहेगा प्रभाव।

ग्रहों के राजा सूर्य 17 अक्टूबर 2026 को कन्या राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए तुला राशि में गोचर करेंगे। तुला राशि शुक्र के स्वामित्व वाली राशि होती है और सूर्य इस राशि में नीच के हो जाते हैं, जिससे इनके ऊर्जा में कमी आने लगती हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में सूर्य के गोचर का प्रभाव सभी 12 राशियों के ऊपर किसी न किसी रूप में जरूर दिखाई देगा।

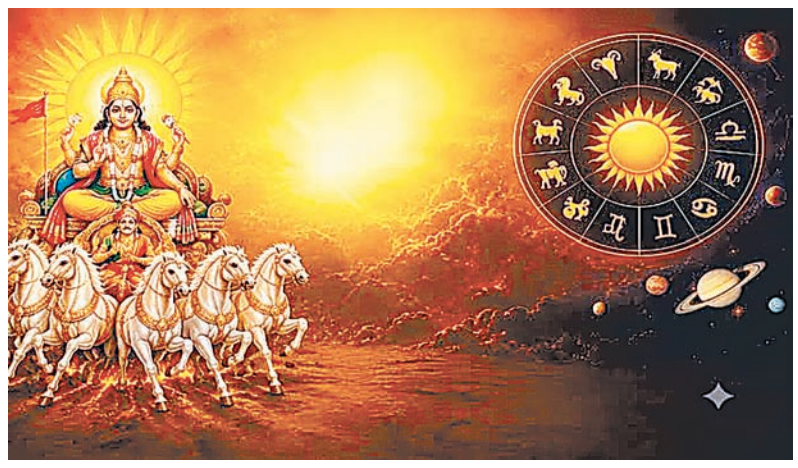

आइए जानते हैं सूर्य के अपनी नीच राशि में गोचर करने से मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर कैसा प्रभाव पड़ेगा।

मकर राशि पर सूर्य के गोचर का प्रभाव- मकर राशि वालों के लिए सूर्य अष्टम भाव के स्वामी होते हैं और 17 अक्तूबर को सूर्य का तुला राशि में गोचर आपके दशम भाव में होगा। दशम भाव में सूर्य का गोचर आमतौर पर अच्छे परिणाम देता है लेकिन सूर्य का नीच का होना मकर राशि वालों के लिए कुछ नकारात्मक परिणाम हो सकता है। लेकिन अष्टम भाव के स्वामी का नीच का होना एक तरह से विपरीत राजयोग जैसी स्थिति का निर्माण होता है। तुला राशि में सूर्य के गोचर आपके मान-सम्मान में गिरावट ला सकता है। पदोन्नति में कुछ अड़चनें आ सकती हैं।

कुंभ राशि पर सूर्य के गोचर का प्रभाव- कुंभ राशि वालों के लिए सूर्य सप्तम भाव के स्वामी होकर यह आपके भाग्य भाव में गोचर करेंगे, जहां पर सूर्य नीच की अवस्था में होंगे, जिससे आपको आने वाले कुछ दिनों में बेहतर परिणाम मिलने में बाधाएं आएंगी। कार्यों में बार-बार प्रयास करने के बाद भी सफलताएं नहीं मिलेंगी। यहां पर आपको भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में कुछ दिक्कतों का सामना करना होगा।

मीन राशि वालों पर सूर्य के गोचर का प्रभाव- मीन राशि वालों के लिए सूर्य आपकी राशि के छठे भाव के स्वामी होकर तुला राशि में गोचर करने पर यह अष्टम भाव में होंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य का अष्टम भाव में गोचर अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ मामलों में आपको अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती है। सेहत संबंधी मामलों में आपको अनुकूलता रहेगी। लेकिन आपको इस दौरान किसी भी तरह का कोई बड़ा रिस्क नहीं लेना है।

रोइंग में सतनाम-सलमान को ब्रॉन्ज, 13 मेडल इवेंट में उतरेगा भारत

एशियन गेम्स : रोशिबिना ने वुशु में सिल्वर दिलाया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

रोशिबिना देवी ने एशियन गेम्स के 5वें दिन गुरुवार को सिल्वर मेडल दिलाया। वे महिलाओं के 60किग्रा सांडा इवेंट का फाइनल में चीन की झांग शियाओयू से 0-2 से हार गईं। यह रोशिबिना का एशियन गेम्स में लगातार तीसरा मेडल है। वे एशियाड में लगातार तीन मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला वुशु खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 2018 जकार्ता में ब्रॉन्ज और 2023 हांगझोउ में सिल्वर जीता था।

वहीं, रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने मेंस डबल्स स्कल इवेंट में 6:13.25 मिनट की टाइमिंग के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारत अब तक 13 मेडल जीत चुका है। उसने 1 गोल्ड, 5 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज जीते थे। भारत मेडल टैली में 14वें स्थान पर है।

एथलेटिक्स: भारत मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले के फाइनल में- भारत ने मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले की हीट-2 में दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बना ली। मनु टीएस ने भारत के लिए शुरूआत की और बैटन बदलने तक टीम तीसरे स्थान पर थी। पूवम्मा एमआर ने शानदार दूसरा लेग दौड़ते हुए भारत को बढ़त दिलाई और बैटन जय कुमार को सौंपी। जय ने बढ़त बनाए रखी, लेकिन चीन और यूएई ने करीब आकर दबाव बनाया। किरण पहल को बैटन मिलने के बाद भारत बढ़त पर था। आखिरी 400 मीटर में चीन ने तेज रफ्तार से वापसी की और फिनिश लाइन पर भारत को पीछे छोड़ दिया। इसके बावजूद भारत दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गया।

एथलेटिक्स: हेप्टाथलॉन में अनामिका और पूजा पांचवें स्थान पर- हेप्टाथलॉन की 100 मीटर हर्डल्स में अनामिका अनीश कोझिंजापरंबिल अपनी हीट में 5वें और आखिरी स्थान पर रहीं। उन्होंने 14.80 सेकंड का समय लेकर 868 अंक हासिल किए। पूजा भी अपनी हीट में पांचवें और आखिरी स्थान पर रहीं। उन्होंने 14.61 सेकंड में रेस पूरी कर 894 अंक जुटाए। पहले इवेंट के बाद पूजा 8वें और अनामिका 10वें स्थान पर हैं। जापान की नानाका काजिकी 13.17 सेकंड के समय के साथ अपनी हीट में पहले स्थान पर रहीं और 1099 अंक हासिल किए।

कैनो स्प्रिंट: मेघा प्रदीप सेमीफाइनल में चौथे स्थान पर रहीं

भारत की मेघा प्रदीप महिला कैनो सिंगल 200 मीटर के सेमीफाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने 51.093 सेकंड का समय लिया और शीर्ष स्थान से 1.66 सेकंड पीछे रहीं। सेमीफाइनल की शीर्ष तीन खिलाड़ी ही फाइनल में पहुंचती हैं। इसके साथ ही मेघा का फाइनल में पहुंचने का मौका खत्म हो गया।

किसान परिवार से निकलीं रोशिबिना, एशियाड में लगातार तीसरा मेडल दिलाया

नाओरेम रोशिबिना देवी मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के क्वासिफाई गांव के किसान परिवार से आती हैं। वे एसएआई इम्फाल में विमेंस सांडा 60 किग्रा कैटेगरी में कोच मैबाम प्रेमकुमार सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। रोशिबिना को अर्जुन अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्हें इंटरनेशनल वुशू फेडरेशन की 2023 फीमेल वुशु एथलीट ऑफ द ईयर (सांडा) का खिताब भी मिला।

पाकिस्तान के बॉलिंग कोच नॉफ्के छोड़ेंगे टीम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच एशले नॉफ्के ने पद छोड़ने का फैसला किया है। एशियन गेम्स 2026 उनका आखिरी असाइनमेंट होगा। इसके बाद वे नीदरलैंड की पुरुष टीम के हेड कोच का पद संभालेंगे। रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन ने नॉफ्के को दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त किया है। उनका करार 2028 के अंत तक रहेगा। उनका पहला बड़ा काम नीदरलैंड को 2027 वनडे वर्ल्ड कप और 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के क्वालिफिकेशन के लिए तैयार करना होगा। वह रयान कुक की जगह लेंगे, जिन्होंने परिवार को ज्यादा समय देने के लिए पद से हटने का फैसला किया है। नॉफ्के अभी पाकिस्तान के एशियन गेम्स अभियान का हिस्सा हैं। पाकिस्तान की पुरुष टीम 28 सितंबर से टूर्नामेंट में उतरेगी और क्वार्टरफाइनल स्टेज से अभियान शुरू करेगी। नॉफ्के मई 2025 में टीम के सपोर्ट स्टाफ से जुड़े थे। उस समय माइक हेसन को व्हाइट-बॉल हेड कोच बनाया गया था और नॉफ्के को बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी गई थी। नॉफ्के के जाने के बाद पीसीबी ने नए बॉलिंग कोच के लिए आवेदन मांगे हैं। बोर्ड ने पद के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है। उम्मीदवार के पास कम से कम लेवल-3 क्रिकेट कोचिंग एक्रेडिटेशन होना जरूरी है। इसके अलावा एलीट क्रिकेटर्स या नेशनल/इंटरनेशनल टीम के साथ समान भूमिका में कम से कम 5 साल का अनुभव मांगा गया है।

आईपीएल 2027 का ऑक्शन गोवा में होगा

बीसीसीआई सेक्रेटरी बोले- दिसंबर में लगेगी बोली, तीन साल बाद भारत लौटेगी नीलामी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

आईपीएल 2027 का ऑक्शन गोवा में होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिसंबर में मिनी ऑक्शन आयोजित किया जाएगा। पिछले तीनों ऑक्शन भारत से बाहर हुए थे। 2024 में दुबई, 2025 में सऊदी अरब के जेद्दा और 2026 में अबूधाबी में नीलामी कराई गई थी।

ऑक्शन की तारीख और वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है। वेन्यू चुनते समय बीसीसीआई फ्रेंचाइजियों और उनके डेलिगेशन के ठहरने की व्यवस्था को सबसे ज्यादा महत्व देगा। अक्टूबर से दिसंबर तक भारत में वेडिंग सीजन होने के कारण 5-स्टार होटल में पर्याप्त कमरे मिलना भी एक बड़ा फैक्टर रहेगा। इउउक को ऑक्शन के लिए दो रातों के लिए 100 से ज्यादा कमरों की जरूरत होती है।

विदेश में ऑक्शन की लॉजिस्टिक से परेशान थीं फ्रेंचाइजियां- ऑक्शन को भारत वापस लाने के फैसले में आईपीएल फ्रेंचाइजियों का फीडबैक भी अहम रहा। टीमों ने मिनी ऑक्शन के लिए अपने डेलिगेशन को विदेश ले जाने में होने वाली लॉजिस्टिक और ऑपरेशनल परेशानियों पर आपत्ति जताई थी। पिछले साल अबू धाबी में ऑक्शन के दौरान भी फ्रेंचाइजियों की यह चिंता सामने आई थी। इसके बाद आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने इस साल के मिनी ऑक्शन के लिए भारत में वेन्यू तलाशने का फैसला किया।

मिनी-ऑक्शन में क्या होगा- मिनी-

ऑक्शन का मतलब है कि टीमें पूरी तरह से अपनी स्क्वॉड दोबारा नहीं बनाएंगी। फ्रेंचाइजियां मौजूदा खिलाड़ियों के बड़े हिस्से को अपने पास रखते हुए खाली स्लॉट और टीम की जरूरत के हिसाब से नए खिलाड़ियों को खरीदेंगी। 2026 के ऑक्शन से पहले 10 टीमों ने कुल 173 खिलाड़ियों को रिटेन किया था और 77 स्लॉट खाली थे। उनके पास कुल ?237.55 करोड़ का पर्स उपलब्ध था।

इम्पैक्ट प्लेयर पर फैसला अगले महीने होगा- गवर्निंग काउंसिल ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अब तक अंतिम फैसला नहीं लिया है। इउउकने सभी 10 फ्रेंचाइजियों से इस नियम पर लिखित फीडबैक मांगा था। ज्यादातर फ्रेंचाइजियां इस नियम के खिलाफ बताई जा रही हैं। कुछ टीमों का कहना है कि उन्होंने मौजूदा इम्पैक्ट प्लेयर नियम को ध्यान में रखकर अपनी स्क्वॉड तैयार की है। इसलिए नियम को हटाने का फैसला अगले साल तक टाला जा सकता है।

खबर एक नजर...

वृद्धा परिवार से बिछड़ी तो पुलिस ने मिलवाया

उज्जैन। महाकाल दर्शन करने उत्तरप्रदेश के लखनऊ से आये परिवार में शामिल 70 साल की वृद्धा लीलासिंह पति ओमप्रकाश भीड़ में परिवार से बिछड़ गई थी। परिजनों का मोबाइल नम्बर नहीं होने पर वह परेशान हो गई। मामले की जानकारी कुछ लोगों द्वारा महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल को दी गई। थाना प्रभारी ने वृद्धा के परिजनों की तलाश का काम एसआई चंद्रभानसिंह चौहान को सौंपा। वृद्धा के गृहनगर की जानकारी ली गई जो लतीफपुर लखनऊ थी। एसआई ने ग्राम के प्रधान से संपर्क किया। कुछ देर बाद प्रधान ने परिजनों का मोबाइल नम्बर उपलब्ध कराया। एसआई ने कॉल किया तो पता चला कि परिवार भी मंदिर क्षेत्र में लीलासिंह की तलाश कर रहा है। उन्हे थाने बुलाया गया और सुकुशल सुपुर्द किया। परिवारजनों ने पुलिस की तत्परता, मानवीय संवेदनशीलता की सराहना करते हुए पुलिस टीम का धन्यवाद किया।

खेत मालिक की लापरवाही से हुई थी बालक की मौत

उज्जैन। महिदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सांगरीखेड़ा में रहने वाले 10 वर्षीय चरणसिंह उर्फ शिवराज पिता सुरेशसिंह की 5 सितंबर को खेत की तार फेंसिंग में फैले करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया था। 17 दिन बाद पुलिस ने मामले में खेत मालिक खेत मालिक श्रीकृष्ण उर्फ गोनू दावरे के खिलाफ धारा 106 (1) भारतीय न्याय संहिता का प्रकरण दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी ने अपने खेत के बिजली कनेक्शन से घर की लाइट जलाने के लिये बिजली के तार डाल रखे थे। लापरवाही से डाले गये तारों में कट लगा था, जिससे खेत की तार फेंसिंग में करंट फैल गया था और चरणसिंह की चपेट में आने से मौत हो गई थी। आरोपी की गिरफ्तारी कर उसे जल्द न्यायालय में पेश किया जायेगा।

शराब के रुपए नहीं देने पर हमला करने वाले गिरफ्तार

उज्जैन। देवासरोड हामूखेड़ी तिराहे पर 65 साल के लीलाधर पिता हरीशचंद्र राय निवासी अरविंद नगर कोयला फाटक का रास्ता रोक 2 बदमाशों ने शराब पीने के लिये 1 हजार रुपए मांगे। वृद्ध के मना करने पर दोनों ने लोहे के पाइप से हमला कर दिया। घायल वृद्ध की शिकायत पर नागझिरी थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया और कुछ घंटों बाद बदमाशों की पहचान कर कुंदन उर्फ मोगली परमार और दशरथ उर्फ जस्सू निवासी नागझिरी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को बुधवार दोपहर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार घायल वृद्ध परिचित से मिलने हामूखेड़ी आया था। गिरफ्तार किये गये दोनों बदमाश अपराधिक प्रवृति के है।

बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत दोनों के चालक घायल

उज्जैन। विजयागंज मंडी के ग्राम जवासिया गोयल में बुधवार दोपहर को 2 बाइक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। एक बाइक पर विजय पिता जयपाल 18 साल और दूसरी बाइक पर गोविंद पिता बहादूरसिंह 35 साल सवार था। दोनों जावासिया गोयल के रहने वाले है। भिड़ंत में दोनों गंभीर घायल हो गये थे, जिन्हे गांव वालों की मदद से उपचार के लिये चरक अस्पताल लाया गया। परिजन भी अस्पताल पहुंच गये थे। विजय की हालत गंभीर बनी हुई थी। दोनों का उपचार चल रहा है, दुर्घटना की सूचना अस्पताल स्टॉफ की ओर से कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है।

भट्टे की आड़ में जुआ खेलते पकड़ाये तीन जुआरी

उज्जैन। नीलगंगा थाना क्षेत्र के जीवनखेड़ी में खेत किनारे ईंट भट्टे की आड़ में जुआ खेलते 3 लोगो को पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा। एसआई भूपेन्द्रसिंह चौहान ने बताया कि जुआरियों के पास से 10 हजार 300 रुपए नगद और ताश पत्ती बरामद की गई। जीवनखेड़ी का रहने वाला लीलाधर जयसिंहपुरा के 2 लोगों के साथ दांव लगा रहा था। तीनों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ जुआ एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है।

26 से शुरू होगा पितृ पक्ष, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या

उज्जैन। पितरों के स्मरण, तर्पण और पिंडदान के लिए महत्वपूर्ण माना जाने वाला पितृ पक्ष इस वर्ष 26 सितंबर से प्रारंभ होगा। पितृ पक्ष की शुरूआत पूर्णिमा श्राद्ध से होगी और 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा। सनातन परंपरा में इन दिनों पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने, तर्पण करने तथा उनके निमित्त दान-पुण्य करने का विशेष महत्व माना गया है। उज्जैन में भी इस दौरान शिप्रा तट सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु पितरों के निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार शनि का संबंध पूर्व जन्म के कर्मों तथा पितृ पक्ष से जुड़े विषयों से माना जाता है। राहु को दायित्व और ऋण से तथा केतु को पितरों और मोक्ष से संबंधित माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों को जल अर्पित कर तर्पण करने और उनके निमित्त श्रद्धापूर्वक प्रार्थना करने से परिवार में शुभता और सकारात्मकता बनी रहती है। 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध होगा। इसके बाद 27 सितंबर को प्रतिपदा, 28 को द्वितीया, 29 को तृतीया, 30 को चतुर्थी तथा 1 अक्टूबर को पंचमी और षष्ठी श्राद्ध रहेगा। 2 अक्टूबर को सप्तमी, 3 को अष्टमी, 4 को नवमी, 5 को दशमी, 6 को एकादशी, 7 को द्वादशी, 8 को त्रयोदशी तथा 9 अक्टूबर को चतुर्दशी श्राद्ध होगा। 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ पितृ पक्ष संपन्न होगा। पितृ पक्ष के दौरान श्रद्धालु अपनी परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोजन तथा जरूरतमंदों को दान कर पूर्वजों के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हैं। उज्जैन जैसे धार्मिक नगर में पितृ पक्ष के दौरान शिप्रा तट पर विशेष धार्मिक गतिविधियां देखने को मिलती हैं।

दिन	489-1	146-1
मेन बाजार	150-6	180-9
मिलन डे	400-4	590-4
मिलन नाइट	778-2	234-9

1	5	6

सालभर बाद हिरासत में आये तीन आरोपी, रिमांड पर पूछताछ

नकली प्लेटों को असली सोना बताकर ठगे थे लाखों रुपए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मकान का सौदा करने के बाद नकली प्लेटों को असली सोना बताकर लाखों की ठगी करने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। गुरूवार दोपहर तीनों को न्यायालय में पेश किया जायेगा।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के अतिरिक्त विश्वबैंक कालोनी में रहने वाले शीतलप्रसाद पिता सुदामा शर्मा ने डेढ़ साल पहले शहीदनगर में रहने वाले हितेश पिता कमल सोलंकी के साथ मकान का सौदा किया था। हितेश ने 50 हजार रुपए एडवांस दिये। उसके बाद उसने 2 नकली प्लेटों को असली सोना बताकर शीतलप्रसाद को दिया और कहा कि डेढ़ किलो के लगभग है। मकान सौदे के रुपए पूरे हो गये और शेष

सोने के बदले उसकी कार का सौदा भी कर दें। शीतलप्रसाद ने अपनी 10 लाख की कार भी हितेश को सौंप दी और 8 लाख रुपए भी नगद प्राप्त किये। करीब 50 लाख से अधिक का अदान-प्रदान हुआ। कुछ दिनों बाद शीतलप्रसाद ने सोने की प्लेटों की जांच कराई तो वह नकली होना सामने आई। हितेश लापता हो गया था, मामले की शिकायत आवेदन के माध्यम से जनवरी 2025 में चिमनगंज थाना पुलिस को दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच शुरू की और डेढ़ साल बाद हितेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने सोने की प्लेटें ग्राम दोंता जागीर में रहने वाले दुगार्शंकर से लेना बताया। पुलिस ने दुगार्शंकर को हिरासत में लिया तो उसने देवास निवासी अभिषेक पिता सुनील शुक्ला द्वारा प्लेटें देना बताया। पुलिस अभिषेक को भी गिरफ्तार कर चुकी है। तीनों से रिमांड पर पूछताछ जारी है। गुरूवार को न्यायालय में पेश किया जायेगा।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की सजा

उज्जैन। माता-पिता के अलग होने पर बुआ के साथ रहने वाली नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले फूफा को न्यायालय ने दंडित करते हुये 20 सालों तक सलाखों में रखने सजा सुनाई है। मीडिया सेल प्रभारी कुलदीपसिंह भदौरिया ने बताया कि विशेष न्यायाधीय पॉस्को अधिनियम और तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश सनोडिया ने आरोपी नारायण पिता मांगीलाल पांचाल को धारा 65(2) बीएनएस में 20 वर्ष, 351(3) बीएनएस में 2 वर्ष और धारा 5 एल/6 पाक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास के साथ 16 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपी के खिलाफ 31 मार्च 2025 को नाबालिग ने अपनी मां के साथ थाने आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पापा मम्मी पिछले एक साल से अलग-अलग रह रहे हैं। वह बुआ-फूफा के साथ रहकर कक्षा 5 वीं की पढ़ाई कर रही थी। 6 माह पहले की बात है, वह घर पर अकेली थी उसी समय उसके फूफा नारायण उसके पास आये और बुरी नीयत से उसके साथ गलत हरकतें की। उसने शोर मचाने का प्रयास किया तो बोले चुप हो जा तूने यह बात किसी को बताई तो मार के नदी में फेंक दूंगा।

11 फीट की प्रतिमा झुलसी, 2 दमकलों ने पाया लपटों पर काबू

सिंधी कालोनी गणेश पांडाल में लगी भीषण आग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंधी कालोनी में बुधवार शाम गणेश पांडाल में भीषण आग लग गई। लपटे तेजी से फैली और पूरा पांडाल जल गया। पांडाल में रखी 11 फीट की प्रतिमा भी झुलस गई थी। अफरा-तफरी के बीच 2 दमकलों ने आग पर काबू पाया।

नीलगंगा थाना क्षेत्र के सिंधी कालोनी में श्री सम्राट नवयुवक मित्र मंडल द्वारा भव्य पांडाल बनाकर भगवान गणेश की 11 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की थी। शाम को अचानक पांडाल में आग लग गई और तेजी से फैली। पूरा पांडाल और गणेश प्रतिमा लपटों में घिर गई थी। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने के प्रयास शुरू किये। लेकिन आग बेकाबू हो चुकी थी, आग लगने की सूचना पर तत्काल 2 फायर बिग्रेड की मौके पर पहुंची। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन पांडाल स्वाहा हो चुका था और प्रतिमा झुलस चुकी थी। आगजनी की सूचना पर नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील भी टीम के साथ सिंधी कालोनी पहुंच गये थे। उन्होने बताया कि आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है।

माता वैष्णदेवी की थीम पर बना था पांडाल- श्री सम्राट नवयुवक मित्र मंडल द्वारा 25 सालों से सिंधी कालोनी क्षेत्र में गणेश प्रतिमा की स्थापना की गणेशोत्सव का पर्व मनाया जा रहा है। इस बार गणेश प्रतिमा के साथ उनकी बहन अशोक सुंदरी प्रतिमा भी स्थापित की गई थी। पांडाल को माता वैष्णदेवी की थीम पर सजाया गया था, जिसमें लाखों रुपए खर्च किये गये थे। आग में पूरा पांडाल जल गया है। प्रतिमा लपटों की वजह से क्षतिग्रस्त हुई है। मित्र मंडल के अनुसार प्रतिमा का विधि विधान से पूजन अर्चन कर विर्सजित किया जायेगा।

बिजली विभाग कर्मचारियों ने किया संधारण

पांडाल में लगी आग के बाद शार्ट सर्किट की संभावना जताई गई। पांडाल के आसपास की बिजली लाइन भी क्षतिग्रस्त हुई थी। जिसके चलते क्षेत्र में विद्युत सप्लाय प्रभावित हो गई थी। बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पहुंचे और संधारण कार्य शुरू किया। कुछ घंटे बाद क्षेत्र की विद्युत सप्लाय को चालू कर दिया गया था।

मां बगलामुखी भक्त मंडल का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

नलखेड़ा में मां बगलामुखी के दर्शन से लौटने के दौरान 8 श्रद्धालु की कार बरसाती नाले में बह गई थी। दूसरे दिन नाले में कार देखे जाने के बाद शव निकाले जा सके थे। इस मामले में नलखेड़ा के नागरिकों को उद्वेलित कर दिया। बुधवार से नागरिकों ने यहां मंदिर एवं उससे जुडी समस्याओं के साथ घटना के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर अनिश्चितकालीन धरने की शुरूआत कर दी है।

मां बगलामुखी मंदिर से जुड़ी समस्याओं को भक्त मंडल ने उठाते हुए इसे प्रशासनिक नजरअंदाजी भी करार दिया है। धरने पर बैठे व्यवसायी कैलाश राठौड़ के अनुसार मंडल ने पहले दिन पूर्वान्ह 11 से 4 धरना दिया है। इसके लिए अनुमति ली गई और थाना पर सूचना भी दी गई थी। धरना घटना स्थल एवं अंबेडकर प्रतिमा से बीच में दिया जा रहा है। उनके अनुसार पूर्व में भी ऐसी घटना हो चुकी है और उसके बाद भी नागरिकों ने पुलिया की ऊंचाई के लिए मांग की लेकिन मात्र आश्वासन ही मिल सका है। मंदिर समिति की यात्री निवास बनी हुई है लेकिन उसे चालू नहीं किया जा रहा है। धरने पर बैठे दिनेश व्यास ने कहा कि मंदिर समिति के पास मात्र 50 हजार खर्च का अधिकार है जबकि करोड़ों रूपए समिति के पास हैं। पार्किंग में कीचड़ के हाल हैं। लड्डू विक्रय से ही समिति को 50 लाख पिछले समय में कमाई में मिले हैं। हाल यह हैं कि शौचालय के लिए श्रद्धालुओं को रूपए 10 भुगतान करना पड़ रहा है। यहां तक की बिजली जाने पर मंदिर समिति के पास जनरेटर भी नहीं है जिसकी खरीदी के लिए सालों से आश्वासन दिया जा रहा है। समिति श्रद्धालुओं से मात्र आय कर रही है समस्या निदान एवं सुविधा के नाम पर नजरअंदाजी की जा रही है।

टोल टैक्स मांगने पर कार चालक ने की मैनेजर से मारपीट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

हाइवे पर कार चालक से टोल टैक्स मांगने पर विवाद का मामला सामने आया है। चालक ने टोल मैनेजर के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फुटेज के आधार पर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

राघवी थाना क्षेत्र के हाइवे पर खेडा खजूरिया में टोल प्लाजा बना हुआ है। 19 सितंबर को रात 1 बजे कार क्रमांक एमपी 09 झेडयू 7776 आकर रूकी। चालक ने टैक्स नहीं देने की बात पर अड़ गया और कार से उतरकर केबीन में पहुंच गया। उसने डिप्टी मैनेजर दीपक कुमार पिता मुन्नालाल दोहरे निवासी भिंड के साथ विवाद शुरू कर दिया। यहीं नहीं उसने डंडे से मैनेजर के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। मैनेजर ने लिखित शिकायत राघवी थाना पुलिस को दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और टोल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखने के बाद मामले में कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। बताया जा रहा है कि कार चालक राहुलसिंह होना सामने आया है। पुलिस कार नम्बर के आधार पर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। शहर के हाइवे पर बने टोल प्लाजा पर पूर्व में वाहन चलाकों द्वारा बिना टैक्स वाहन निकालने को लेकर विवाद और तोड़फोड़ की जा चुकी है। टोल प्लाजा पर विवाद थमने का नहीं ले रहे हैं।

घौंसला-ढाबला के बीच दुर्घटना में युवक की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

घौंसला-ढाबला खुर्द के बीच मंगलवार रात दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। अस्पताल पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। मृतक उज्जैन से आगर लौट रहा था।

आगर-उज्जैन मार्ग पर बाइक और कार के बीच हुई टक्कर में घायल हुये कालू पिता नारायण 32 साल निवासी ग्राम मलवासा आगर को चरक अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर शव पोस्टमार्टम कक्ष भेज दिया। मृतक के पास मिले दस्तावेजों और दुर्घटनास्थल से लोगों द्वारा बनाये गये वीडियो और फोटो को वाट्सएप ग्रुप पर पोस्ट करने के बाद उसकी पहचान हुई। परिजन उज्जैन पहुंचे और बताया कि कालू बाइक से

लहसुन बेचने के लिये उज्जैन आया था। वापस लौटते वक्त दुर्घटना हुई है। बताया जा रहा था कि उसे कार ने टक्कर मारी थी। बुधवार सुबह अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा पोस्टमार्टम कराया। परिजन शव पैतृक गांव अंतिम संस्कार के लिये ले गये। चौकी पुलिस के अनुसार मर्ग डायरी संबंधित थाना पुलिस को भेजी जायेगी। टक्कर मारने के बाद चालक कार लेकर भागना बताया गया है। जिसकी तलाश संबंधित थाना पुलिस द्वारा की जायेगी।

इधर घर में मृत मिला युवक

चिमनगंज थाना क्षेत्र की तिरूपति सॉलिटर कालोनी में रहने वाले लक्की पिता रमेशचंद्र राठौर को बुधवार शाम परिजन मृत अवस्था में चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि घर में बेसुध हो गया था। मामला संदेहास्पद होने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई। चिमनगंज थाना पुलिस के अनुसार गुरूवार को परिजनों के बयान दर्ज कर पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

निःसंतान दंपत्ति के त्याग को सरकार से सम्मान की जगह मिली नजरअंदाजी

माकड़ौन में दानदाता की जमीन पर कॉलेज बना लेकिन 8 साल में शुरू नहीं हुआ

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शिक्षा के लिए दान देने वालों को मध्यप्रदेश की सरकार की और से सम्मान नहीं मिल पा रहा है। माकड़ौन में करोड़ों की जमीन कालेज के लिए दान में मिली और उस पर कालेज भवन भी बन गया थोड़ी बहुत कमी पेशी उसमें है जिसका पूर्ण निर्माण करवाया जाना है, लेकिन 8 सालों बाद भी न तो भवन पूर्ण हो पा रहा है न हीं उसे चालू किया जा सका है। निःसंतान दंपत्ति के त्याग को सरकार से सम्मान मिलने की अपेक्षा नजरअंदाजी मिल रही है।

माकड़ौन में शासकीय कालेज के लिये करोड़ों की जमीन दान देने वाले भामाशाह शिवनारायण पाटीदार हैं। शासन ने जमीन ले ली कालेज की बिल्डिंग तान दी लेकिन न निर्माण की कमी बता कर कालेज की शुरूआत नहीं की जा रही है। दानदाता जमीन के दान तक ही सिमित नहीं हैं वे चाहते हैं कि इसी जीवन मे इन्ही आंखों से बालक बालिकाओं को कालेज में पढ़ते देखें। बकौल दानदाता दंपत्ति हमारी इच्छा के विरूद्ध इसमें देरी की जा रही है। यह आत्मिक कष्ट देने जैसा ही है। शासन प्रशासन हमारे मरने के बाद इसको शुरू करेगा तो हमारी आत्मा तड़पती रहेगी। चर्चा में शिवनारायण पाटीदार भोले सेठ बताते है की मै उद्घाटन पर भी खर्चा करूगां। माता सरस्वती की मुर्ती स्थापना, सात दिवसीय भागवत कथा व भंडारा भी करना चाहता हुं लेकिन प्रशासन मेरे मरने का इन्तजार कर रहा है शायद!

लक्ष्मी-भोले महाविद्यालय हो नाम

ग्रामीणों के अनुसार दानदाता दंपति निःसंतान है व कालेज को जमीन दान कर अपने नाम को अजर अमर कर दिया है, जब तक कालेज रहेगा इनका नाम अमर रहेगा। माकड़ौन नगर व ग्रामीण क्षैत्र की जनता चाहती है की कालेज का नामकरण शासकीय लक्ष्मी- भोले महाविद्यालय हो व इसका जल्द से जल्द उद्घाटन हो कालेज भवन निर्माण को करीब 9 साल होने आए हैं।

भुगतान में अटका शेष काम

इधर सामने आ रहा है कि इस भवन के निर्माण का ठेका लेने वाले ठेकेदार को अब तक किए गए निर्माण में से काफी भुगतान अटका हुआ है। ऐसे में उसने काम को रोक दिया है। बकाया भुगतान होने पर वह शेष काम पूर्ण करवाने का पक्ष रख रहे हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश

इसके पूरे मामले को लेकर शासन-प्रशासन की प्रक्रियाओं पर ग्रामीणों का आक्रोश जमकर है। इसे लेकर आंदोलन का प्रस्फूटन होने की स्थिति बन गई है। खास तो यह है कि विद्यार्थी परिषद ने भी स्पष्ट किया है कि यदि नगरवासी आंदोलन करते हैं, तो वे भी उसमें सहभागी बनेंगे। नगरवासियों ने प्रशासन से शीघ्र निर्णय लेकर कॉलेज निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा सुविधा मिल सके। दानदाता ने भी इस संबंध में आगाह किया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर प्रशासन द्वारा ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो नगरवासियों के आंदोलन में वे भी उनके साथ धरने पर बैठेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com